मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

संवत 2082, मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष 8 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 78 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ लापता बच्चों पर बहस को अंजाम तक पहुंचाने की जरूरत

दीपिका के बाद अब कुब्रा सैत ने संभाली नारीवाद की कमान ◀◀ 6

झारखण्ड सरकार GOVERNMENT OF JHARKHAND

मंईयां सम्मान ₹2500

अधिवक्ताओं और राज्यकर्मियों के लिए स्वास्थ्य बीमा

झारखण्ड राज्य विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग का गठन

रांची में हाईटेक फ्लाईओवर

झारखण्ड फ़्लाईंग इंस्टिट्यूट शुरू

520 बेड बहुमंजिला छात्रावास का निर्माण शुरू

महिला महाविद्यालय, डिग्री कॉलेज एवं राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालयों के निर्माण की स्वीकृति

पहले मिल्क पाउडर प्लांट की आधारशिला

फूलो झानो आशीर्वाद अभियान से 40 हजार महिलाओं को करोड़ों रुपए की मदद

2 लाख 80 हजार से अधिक SHGs को ₹17,374 Cr क्रेडिट लिंकेज

हजारों स्टूडेंट्स को गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड का लाभ

पलाश ब्रांड से ₹56.47 Cr का व्यापार

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती एवं रजत पर्व पर भव्य आयोजन

राजस्व निरीक्षक, स्नातकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षक, सहायक शिक्षक, प्रयोगशाला सहायकों, स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक, चिकित्सा पदाधिकारियों, विधि सहायक आदि अंतर्गत विभिन्न विभागों में हजारों नियुक्तियां

मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना

खूंटी, चाईबासा एवं चांडिल में BAR COUNCIL BULIDING का शिलान्यास

मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना

स्कूलों में STEM एवं SCIENCE लैब की स्थापना

राज्य में नए 800 MW बिजली का उत्पादन

इको टूरिज्म को बढ़ावा

4th SAAF CHAMPIONSHIP 2025 का आयोजन

झारखण्ड 25 अनंत संभावनाओं की ओर

हेमन्त सरकार के

प्रथम वर्षगांठ

पर चयनित हजारों अभ्यर्थियों का

नियुक्ति पत्र वितरण समारोह

28 नवंबर, 2025

अपराह्न 12:15 बजे से

मोरहाबादी मैदान, रांची

स्कैन करें और इस समारोह के सहभागी बनें!

अध्यक्षता

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सम्मानित अतिथि

श्री राधा कृष्ण किशोर माननीय मंत्री	**श्री दीपक बिरुवा** माननीय मंत्री	**श्री चमरा लिण्डा** माननीय मंत्री
श्री संजय प्रसाद यादव माननीय मंत्री	**श्री इरफान अंसारी** माननीय मंत्री	**श्री हफीजूल हसन** माननीय मंत्री
श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह माननीय मंत्री	**श्री योगेन्द्र प्रसाद** माननीय मंत्री	**श्री सुदिव्य कुमार** माननीय मंत्री

श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की

माननीय मंत्री

हेमन्त सोरेन

मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

PR.No.367263 (IPRD)25-26

झारखंड में लुढ़का पारा, 5.7 डिग्री सेल्सियस के साथ सिमडेगा सबसे सर्द

मंत्री ने दिये अलाव जलाने के निर्देश

संवाददाता

रांची : राज्य के कई हिस्सों में पारा लुढ़क गया और सबसे कम 5.7 डिग्री सेल्सियस तापमान सिमडेगा में दर्ज किया गया। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में औसत न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। विभाग ने कहा कि तापमान में गिरावट उत्तरी और उत्तर-पूर्वी हवाओं के कारण हुई है, जो झारखंड के निचले क्षोभमंडल स्तर पर प्रबल होती हैं।

अगले पांच दिनों में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धिः गुमला और खूंटी में तापमान क्रमशः पांच और छह डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लोहरदगा और हजारीबाग में न्यूनतम तापमान क्रमशः 7.3 और 7.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि राज्य की राजधानी रांची में 8.5 डिग्री सेल्सियस, लातेहार में 8.2 डिग्री सेल्सियस और पश्चिमी सिंहभूम में नौ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रांची मौसम विज्ञान केंद्र के उप निदेशक अभिषेक आनंद ने कहा, न्यूनतम तापमान एक दिन और इतना ही रह सकता है। इसके बाद अगले पांच दिनों में इसमें 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है।

मंत्री ने दिये अलाव जलाने का निर्देशः इस बीच, राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने लोगों को ठंड से बचाने के लिए 24 जिलों को 79 लाख रुपये जारी किए हैं। आपदा प्रबंधन मंत्री इरफान अंसारी ने सभी उपायुक्तों (डीसी) को प्रमुख चौराहों, बाजारों, स्टेशनों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अलाव की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, शीतलहर का सबसे अधिक असर गरीब परिवारों पर पड़ता है। इसलिए यह सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है कि कोई भी व्यक्ति ठंड से परेशान न हो।

न्यूज IN ब्रीफ

हाइवा-कार में भीषण टक्कर, एक की मौत, चार गंभीर, लोगों ने किया सड़क जाम

चतराः सदर थाना क्षेत्र के हफुआ सोनपुर चौक के पास बीते गुरुवार की शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में 26 वर्षीय रिया कुमारी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना जोरदार था कि कार के परखच्चे उड़ गए और चीख-पुकार मच गई।जानकारी के अनुसार हजारीबाग के केरेडारी थाना क्षेत्र के जोरदाग गांव के पांच लोग इटखोरी बहू-भात कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से तेज रफ्तार में आ रहे खाली हाइवा ने उनकी चारपहिया गाड़ी में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई और रिया कुमारी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना में पिंकी कुमारी, सुजीत राम, गायत्री देवी और रेशमी देवी गंभीर रूप से घायल हो गए। चारों घायलों को सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए हजारीबाग मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।टक्कर के तुरंत बाद हाइवा चालक वाहन छोड़कर भागने लगा। ग्रामीणों ने पीछा किया तो वह चलते वाहन से कूद गया और फरार हो गया।बिना नियंत्रण का हाइवा सिमरिया घाटी में पुल के पास गड्ढे में जा पलटा। सिमरिया पुलिस ने पलटे हुए हाइवा को जब्त कर लिया है। हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों में जबरदस्त आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने चतरा-सिमरिया मुख्य पथ को जाम कर दिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। सदर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। सिमरिया थाना प्रभारी के अनुसार हाइवा की नंबर प्लेट के आधार पर मालिक व चालक की पहचान की जा रही है। जल्द ही चालक की गिरफ्तारी होगी। पोस्टमॉर्टम के लिए शव को कब्जे में ले लिया गया है।

लगातार बढ़ रहे हादसे,हाइवा सबसे बड़ा खतराः स्थानीय लोगों के अनुसार चतरा जिले में तेज रफ्तार हाइवा वाहनों के कारण सड़क हादसों में वृद्धि हो रही है। कई जानें पहले भी जा चुकी हैं और प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग उठ रही है।

फरार आरोपियों के घर राजपुर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

कान्हाचट्टी (चतरा): राजपुर पुलिस ने गुरुवार को एनडीपीएस एक्ट के तहत छः फरार आरोपियों के घर इश्तेहार चिपकाया। फरार आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के कांड संख्या 8/19 के तहत राजपुर थाना में मामला दर्ज है। फरार आरोपियों के चंद्रदेव सिंह पिता रूपलाल सिंह, विनोद सिंह पिता लखन सिंह, तुलेश्वर सिंह पिता नांदेड़ सिंह, बैजनाथ यादव पिता वासुदेव यादव, जगधारी सिंह पिता धनेश्वर सिंह, कैलाश सिंह पिता स्वर्गीय पोखन सिंह सभी साकिन पथेल शामिल है। बताते चलें कि पोस्ता की खेती को पूरी तरह से समाप्त करने को लेकर राजपुर पुलिस थाना प्रभारी संदीप कुमार के अगुवाई में एक्शन मोड पर है। पोस्ता के खेती को लेकर सभी पहलुओं पर राजपुर पुलिस बारीकी से जांच पड़ताल कर रही है। सबसे जरूरी बात को पिछले साल से ही कान्हाचट्टी में पोस्ता की खेती के ग्राफ में भारी गिरावट आई है। इस बार जिला प्रशासन और पुलिस बल की सक्रियता से लग रहा काफी हद तक इस पर काबू पा लिया जाएगा।बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना

लोगों को उनका हक व अधिकार दिलाना जनता दरबार का उद्देश्य : अमित महतो

संवाददाता

सिल्ली : गुरुवार को प्रखंड के टूटकी व लोवादाग पंचायत में विधायक अमित महतो ने जनता दरबार लगाया। इसमें भारी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी। ग्रामीणों ने लोक कल्याणकारी योजना और अपनी समस्याओं को लेकर आवेदन सौंप। इस दौरान कई आवेदनों का मौके पर ही निष्पादन किया गया। शेष आवेदनों को त्वरित कार्रवाई के लिए विधायक ने अंचलाधिकारी एंव प्रखंड विकास पदाधिकारी को सौंपा। विधायक ने स्पष्ट कहा कि लोगों को उनके हक व अधिकार दिलाने को लेकर उक्त कार्यक्रम किये जा रहे हैं। विभागीय अधिकारी व कर्मी लापरवाही नहीं बरतें। इससे पूर्व बीडीओ अनिल कुमार सीओ अरुणीमा एक्का ने विधायक का स्वागत किया.

मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत का प्रशिक्षण पूरा करने वाले युवाओं को विधायक ने नियुक्ति पत्र देते हुए विधायक ने कहा वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट घोषणा में, झारखंड सरकार ने झारखंड मुख्यमंत्री सारथी योजना की शुरूआत की है। यह योजना डिग्री धारी युवाओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और नौकरी के अवसर खोजने में मदद के लिए निःशुल्क कोचिंग प्रदान करती है। यह कोचिंग झारखंड में ही उपलब्ध होगी, जिससे छात्रों को दूसरे राज्यों में जाने की आवश्यकता नहीं होगी। इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए कोचिंग सुलभ बनाना है जो अन्यथा इसका खर्च वहन नहीं कर सकते। मौके पर झामुमो नेता समीर ठाकुर, डॉ अखिल महतो ,राकेश महतो ,राधेश्याम महतो ,अखिलेश कुम्हार, आनन्द महतो ,राजेश महतो, सूरज कोईरी, प्रकाश कुशवाहा, देवेन महतो, अरुण महतो ,रोहित घटवार, जिप लक्ष्मी देवी, बीडीओ अनिल कुमार, सीओ अरुणीमा एक्का समेत कई गन्यमान्य लोगों के अलावा काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

'मीडिया टैलेंट हंट' शुरू, 5 दिसंबर तक चलेगा अभियान

संवाददाता

रांचीः कांग्रेस पार्टी ने खूंटी सांसद कालीचरण मुंडा के आवास पर 'मीडिया टैलेंट हंट' कार्यक्रम के शुरू होने की घोषणा करते हुए एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया। यह अभियान 5 दिसंबर तक चलेगा और इच्छुक प्रतिभागी ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन कर सकते हैं।

कांग्रेस पार्टी ने गुरुवार को खूंटी सांसद कालीचरण मुंडा के आवास पर एक प्रेस वार्ता आयोजित कर अपनी राष्ट्रव्यापी 'मीडिया टैलेंट हंट' पहल के शुरूआत की घोषणा की। यह अभियान 5 दिसंबर तक चलेगा।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन युवाओं, पत्रकारों और मीडिया से जुड़े लोगों को चिन्हित करना है, जो कांग्रेस की विचारधारा को मानते हैं और उसे समाज के सामने मुखरता से रख सकते हैं।

शशि भूषण राय, जिन्हें खूंटी और सिमडेगा जिले के लिए चयन प्रक्रिया का प्रभारी बनाया गया है, ने बताया कि इच्छुक प्रतिभागी ऑनलाइन फॉर्म या हार्ड कॉपी के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। हालाँकि, आवेदन के साथ क्षेत्र के सांसद, विधायक या जिला कांग्रेस अध्यक्ष की अनुशंसा पत्र अनिवार्य होगी।

यह पहल अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर पूरे देश में चलाया जा रहा है, जिसके राष्ट्रीय संयोजक पवन खेड़ा और जयराम रमेश हैं।

इस पहल के पीछे का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए पार्टी प्रतिनिधियों ने कहा कि पहले जनप्रतिनिधियों द्वारा चयन की प्रक्रिया में कई प्रतिभाशाली लोगों को मौका नहीं मिल पाता था। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे की पहल पर शुरू किए गए इस 'मीडिया टैलेंट हंट' का मकसद सही प्रतिभाओं को तलाशना और उन्हें संगठन में जिला स्तर से लेकर केंद्र तक उचित मंच प्रदान करना है, ताकि पार्टी के विचारों को प्रेस और सोशल मीडिया के जरिए बेहतर ढंग से पहुँचाया जा सके।

शशि भूषण राय ने कहा, इस टैलेंट हंट के लिए कोई भी आवेदन कर सकता है, जिसकी उम्र 18 साल से अधिक है और जो कांग्रेस पार्टी की विचारधारा से सहमत है।

इस अभियान के तहत चयनित उम्मीदवारों को पार्टी के मंचों से जोड़ा जाएगा और उन्हें विभिन्न स्तरों पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

महिला सुरक्षा व बाल विवाह रोकथाम पर कार्यशाला संपन्न

चतराः जिला समाज कल्याण शाखा द्वारा विकास भवन सभागार में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत महिला सुरक्षा एवं बाल विवाह रोक-थाम पर जागरूकता एवं क्षमतावर्धन हेतु जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह आयोजन बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में किया गया।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रीय विचार मंच के झारखंड प्रभारी बने राजेश सिंह

संवाददाता

रांची : डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रीय विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार सरावगी की अनुशंसा पर राजेश कुमार सिंह को झारखंड प्रभारी नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति उनके मंच के प्रति सक्रियता, लग्नशीलता, कर्तव्यनिष्ठा एवं ऊर्जा को देखते हुए प्रदान की गई है। श्री सिंह कि नियुक्ति पर राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार सरावगी ने कहा कि चूंकि राजेश कुमार सिंह एक होनहार, प्रगतिशील, प्रभावशाली व व्यक्तित्व के धनी है। ऐसे में मंच उम्मीद करती है कि श्री सिंह मंच के साथ मिलकर निष्ठापूर्वक कार्य करेंगे। वहीं राजेश सिंह ने अपनी नियुक्ति पर राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय प्रभारी एवं केंद्रीय नीति के प्रति अपना आभार व्यक्त किया है। और कहा कि मंच ने जिस आशा, विश्वास एवं उम्मीद के साथ हमें जिम्मेवारी सौंपी है उस पर मैं खरा उतरने की कोशिश करूंगा। मैं अपने दायित्वों की निर्वहन के लिए भरपूर प्रयास करूंगा। राजेश सिंह को मंच की झारखंड प्रभारी बनाए जाने पर भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू , प्रदेश महामंत्री अर्जुन सिंह, अजय मुंडा , प्रदेश उपाध्यक्ष अजय दुबे, प्रदेश मीडिया प्रभारी सुनील कुमार सिंह , सोशल मीडिया प्रभारी वैभव सिंह , कार्यालय मंत्री सज्जन कुमार पंकज, बृंद कुमार, सुमन कुमार सिंह यश सिंह परमार सहित कई लोगों ने बधाई दी ।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई–निविदा सूचना

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, उपरे, अजमेर, भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से **ई–निविदा संख्याः 42/एलपी/एनएस/42255796, दिनांक 25.11.2025** को, जिसकी **बंद होने की तारीख 05.01.2026 को 14:25 बजे तक** रहेगी, आमंत्रित कर रहे हैं, निविदाकार निविदा बंद होने की तारीख एवं समय तक ही अपनी मूल/संशोधित निविदा प्रस्तुत कर पाएंगे, मैन्युअल (ई–निविदा के अलावा) प्रस्ताव इस निविदा के विरुद्ध मान्य नहीं होंगे, इस तरह के मैन्युअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा। **आपूर्ति का विवरणः** Supply and installation of Retro-fitment of revised wiring with modified junction boxes and connectors for FAIVELEY make Air brake system as per RDSO Drg. No. CG-19005 alt. 1 and Drg. No. CG18246 alt. 0 (Ref. RDSO Letter no. MC/LHB/Brake, dated 27/02/19). Kit details are as per enclosed Annexure B1 & B2 for KEYS WSP FTRTIPL Part FT0053903-K02 (Qty-61 set) & for KEYS WSP FTRTIPL Part FT0053903-K03 (Qty-19 Set). **मात्राः** 80 Set. **निविदा प्रस्तुत करने की दिनांक एवं समयः** ई–निविदा को 05.01.2026 को 14:25 बजे तक प्रस्तुत किया जा सकता है। **वेबसाइटः ireps.gov.in.**

1525-PM/25

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

झारखण्ड सरकार

कार्यालय,नगर पंचायत, बुण्डू(राँची)

ई–मेल–nagarpanchayatbundu@gmail.com

पता–ब्लॉककैम्पस, ब्लॉक रोड, बुण्डू

पत्रांक– दिनांक–

आम सूचना

नगर पंचायत, बुण्डू के वार्ड 08 में नवनिर्मित वेंडर मार्केट के कुल 26 शटर वाले दुकानों मे से Block E के दुकान संख्या E5 एवं Block F के दुकान संख्या F1, F2, F3, F4, F5, F6, F8, F9 दुकानों का आवंटन खुली डाक के माध्यम से किया जा रहा है। जिसकी न्यूनतम डाक की बोली 27 रु० Sq / Ft है एवं दुकान का आकार 8x10=80Sq / Ft है। इच्छुक व्यक्ति 100/-रु० का भुगतान कर कार्यालय नगर पंचायत, बुण्डू से फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं। आवंटन हेतु निम्न दस्तावेजों की आवश्यकता है:–

- पहचान पत्र (Voter ID, आधारकार्ड आदि)
- चरित्र प्रमाण–पत्र
- अद्यतन होल्डिंग रसीद (वित्तिय वर्ष 2025–26)
- आवेदक का पासपोर्ट साइज फोटो
- EMD (Earnest Money Deposit) के तौर पर 01 माह का किराया जो कुल 2160 रु० मात्र है उसे Bank Demand Draft के रूप में Executive Officer, Nagar Panchayat, Bundu के नाम पर देय होगा। असफल डाक्वक्ता को उक्त राशि वापस कर दी जाएगी।
- फॉर्म भरने की अंतिम तिथि–06-12-2025

प्रशासक
नगर पंचायत, बुण्डू

PR 367253 Urban Development(25-26).D

जेएसएलपीएस कर्मचारियों की हड़ताल छठे दिन भी जारी, प्रबंधन की ओर से कोई पहल नहीं

संवाददाता

खूंटी : झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) के कर्मचारियों का हड़ताल गुरुवार को छठे दिन भी जारी रहा। विगत पांच दिनों से चल रही इस हड़ताल के कारण ग्रामीण विकास विभाग के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि लगातार हड़ताल के बावजूद सरकार या प्रबंधन की ओर से उनकी मांगों को लेकर कोई पहल नहीं की जा रही है।

कर्मचारियों की प्रमुख मांग कैबिनेट से अनुमोदित नई मानव संसाधन नियमावली को लागू करने की है। इस नियमावली में प्रत्येक वर्ष वेतन वृद्धि का प्रावधान शामिल है। कर्मचारियों का कहना है कि इस नियमावली को अक्टूबर दो हजार चौबीस में ही प्रबंधन को सौंप दिया गया था और इसे दिसंबर दो हजार चौबीस तक लागू किया जाना था, लेकिन जेएसएलपीएस प्रबंधन इस मामले पर पूरी तरह से मौन है।

हड़ताल में शामिल कर्मचारियों के अनुसार, इस नियमावली के लागू न होने के कारण उनके वेतन में वार्षिक वृद्धि नहीं हो पा रही है, जिससे उन्हें आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस मुद्दे पर पहल करते हुए नेशनल लाइवलीहुड मिशन (एनएमएमयू) द्वारा एक नया संशोधित मानव संसाधन नियमावली लागू करने का प्रस्ताव भी दिया गया है।

इसके अलावा, कर्मचारियों की अन्य प्रमुख मांगों में शामिल हैंः

दस वर्षों से अधिक समय से कार्यरत कर्मचारियों को राज्यकर्मी का दर्जा दिया जाए। आंतरिक पदोन्नति की प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से और वरीयता के आधार पर की जाए।

हड़ताल में बैठे कर्मचारी रमेश नायक, मोहम्मद मेराज आलम और विनीता तिर्की ने बताया कि इस हड़ताल में जेएसएलपीएस के एल-5 से लेकर एल-8 ग्रेड तक के कर्मी शामिल हैं। उन्होंने कहा, दो साल पहले भी वेतन वृद्धि की मांग को लेकर सुनवाई हुई थी और इसे लागू करने का आश्वासन दिया गया था। लेकिन दो हजार पच्चीस में भी हमारी यह मांग अधर में लटकी हुई है। वेतन वृद्धि से जुड़ी फाइल को जानबूझकर लटकाया जा रहा है, यह एक गंभीर सवाल है।

कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार और प्रबंधन उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं करेगा, तो हड़ताल अनिश्चित काल तक जारी रहेगी। इसका सीधा असर ग्रामीण आजीविका से जुड़े विकास कार्यों पर पड़ेगा और वे अवरुद्ध रहेंगे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय भवन निर्माण विभाग

भवन प्रमंडल संख्या–1, राँची

अति अल्पकालीन निविदा/कोटेशन आमंत्रण सूचना–90/2025–26

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल सँख्या–1,राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री करने की तिथि एवं समय : दिनांक 04.12.2025 को 1.00 (एक) बजे अपराहन् तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 05.12.2025 को 3.00(तीन) बजे अपराहन् तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं रामय : दिनांक 05.12.2025 को 3.30(साढ़े तीन) बजे अपराहन।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, छोटानागपुर भवन अंचल–1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची एवं कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष राँची।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय।
8. कार्यों का विवरण :

क्र	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की तिथि
1	Construction of Toilet and work of Stair railing, MS grill of MCH Building for Sadar Hospital, Ranchi	2949200	59000	5000	Two Months
2	Construction of Shed, ACP and False Ceiling work at 8th Floor in New Building, Sadar Hospital, Ranchi	2428500	48600	5000	Two Months

नोट :– निविदा की शर्तें www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
भवन निर्माण विभाग भवन प्रमण्ल संख्या–1, राँची।

PR 367224 Building (25-26)D

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

संवत 2082, मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष 8 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 78 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ लापता बच्चों पर बहस को अंजाम तक पहुंचाने की जरूरत

दीपिका के बाद अब कुब्रा सैत ने संभाली नारीवाद की कमान ◂◂ 6

झारखंड सरकार के एक वर्ष पूरे, मुख्यमंत्री आज देंगे 10 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र

संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार के एक वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के मौके पर शुक्रवार को राज्य के 10 हजार युवाओं को रोजगार का बड़ा अवसर मिलने जा रहा है। इस मौके पर आयोजित भव्य समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन स्वयं मौजूद रहकर चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। इसमें सरकारी विभागों के साथ-साथ निजी कंपनियों में चयनित आवेदकों को भी नौकरी दी जाएगी। राज्य के विभिन्न जिलों से हजारों की संख्या में युवा रांची पहुंच रहे हैं। नियुक्ति पत्र मिलने की खुशी उनके चेहरों पर साफ दिख रही है और वे इसे अपने सपनों को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम मान रहे हैं। यह कार्यक्रम ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में आयोजित

किया गया है, जहां लगभग 50 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। मैदान को सजाया गया है और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। मुख्यमंत्री के साथ राज्य के सभी मंत्री भी इस महत्वपूर्ण आयोजन में शामिल होंगे। रोजगार को लेकर विपक्ष लगातार सरकार पर सवाल उठाता रहा है। ऐसे में नियुक्ति पत्र वितरण का यह समारोह युवाओं के लिए उत्साह का कारण बनने के साथ-साथ सरकार के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। सरकार का कहना है कि यह सिर्फ शुरूआत है और आने वाले महीनों में विभिन्न विभागों तथा निजी क्षेत्रों के माध्यम से और भी रोजगार अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस कार्यक्रम से युवाओं में नई ऊर्जा और उम्मीद का संचार हुआ है। सभी की नजरें आज होने वाले इस बड़े आयोजन पर टिकी हैं, जिसे झारखंड में रोजगार सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

श्रीलंका में बाढ़-भूस्खलन से 56 लोगों की मौत, 600 से ज्यादा घर तबाह, स्कूल-दफ्तरों को बंद किया गया

एजेंसी

नई दिल्ली : श्रीलंका में लगातार हो रही भारी बारिश और भूस्खलन के चलते हालात काफी बिगड़ चुके हैं। देशभर में अब तक 56 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 600 से ज्यादा घरों को भारी नुकसान पहुंचा है। बिगड़ते हालात को देखते हुए सरकार ने शुक्रवार को सभी सरकारी दफ्तरों और स्कूलों को बंद रखने का निर्णय लिया। बता दें कि पिछले सप्ताह से ही श्रीलंका खराब मौसम से जूझ रहा है। हालांकि, गुरुवार को मूसलाधार बारिश ने यहां तबाही मचा दी। तेज बारिश के कारण कई जगह घर, सड़कें और खेत पानी में डूब गए। इसके चलते कई इलाकों में भूस्खलन की घटनाएं सामने आईं। सरकार के मुताबिक, सबसे ज्यादा तबाही बदुल्ला और नुवारा एलिया के पहाड़ी चाय उत्पादन क्षेत्रों में दिखी, जहां गुरुवार को ही 25

सेन्यार के बाद अब बंगाल की खाड़ी में बना नया चक्रवात दितवाह , राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली : चक्रवाती तूफान सेन्यार कमजोर हो रहा है, लेकिन इसी बीच बंगाल की खाड़ी में एक और चक्रवात दितवाह बन गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि यह तूफान दक्षिण भारत के तटीय राज्यों को प्रभावित कर सकता है। आईएमडी के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव चक्रवात दितवाह में बदल गया। इसके असर से तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, दक्षिण आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और केरल में मौसम बिगड़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने इस सिस्टम को देखते हुए प्री-साइक्लोन अलर्ट जारी किया है। 30 नवंबर तक कई तटीय इलाकों में भारी बारिश, तेज हवाएं और समुद्र में ऊंची लहरें उठने का अनुमान है। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। चक्रवात दितवाह के कारण तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में भारी बारिश हो सकती है। शुक्रवार को दक्षिण तमिलनाडु में हल्की से मध्यम बारिश हुई, जबकि शनिवार को पूरे तमिलनाडु में बारिश का अनुमान है। तंजावुर, अरियालुर, पेरम्बलुर, कल्लाकुरिची, तिरुवन्नामलाई, वेल्लोर, रानीपेट, कांचीपुरम, तिरुवल्लूर और चेन्नई में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है।

लोगों की मौत हो गई। आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार इन दो क्षेत्रों में 21 लोग लापता हैं, जबकि 14 घायल बताए जा रहे हैं। देश के अन्य हिस्सों में भी भूस्खलनों से कई लोगों की जान गई है। लगातार तेज बारिश से अधिकतर नदियां और जलाशय उफान पर हैं। इसके चलते कई सड़कें बंद हैं। चट्टानें, पेड़ और मिट्टी गिरने से कई रास्ते और रेलवे ट्रैक बंद हो गए। इसी वजह से यात्री ट्रेनों की सेवाएं भी रोक दी गईं। स्थानीय टीवी चैनलों पर गुरुवार को एक वीडियो सामने आया, जिसमें वायुसेना का एक हेलिकॉप्टर बाढ़ में फंसे घर की छत पर खड़े तीन लोगों को बचाता दिखा। वहीं नौसेना और पुलिस नावों की मदद से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रही है। एक और दिल दहला देने वाली घटना में, अम्पारा के पास बाढ़ में एक कार बह गई, जिसमें सवार तीन लोगों की मौत हो गई। श्रीलंका में मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे और चुनौतीपूर्ण रहने की चेतावनी दी है, जिससे राहत-बचाव टीमों पर दबाव और बढ़ गया है।

दिल्ली की जहरीली हवा को लेकर मोदी सरकार पर बरसे राहुल गांधी, पीएम की चुप्पी पर उठाए सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली: राष्ट्रीय राजधानी में लगातार बिगड़ती हवा की गुणवत्ता को लेकर कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर तीखा सवाल उठाया है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली और आसपास के इलाकों में हवा इतनी खराब हो चुकी है कि यह अब स्वास्थ्य संकट बन गई है। राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर संसद में तुरंत विस्तृत चर्चा की मांग करते हुए कहा कि सरकार को सख्त और लागू होने वाला एक्शन प्लान लाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब बच्चे और बुजुर्ग जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर हैं, तब सरकार चुप क्यों है और कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाया जा रहा। कुछ महिलाओं से मिले राहुल, साझा किया वीडियोः राहुल गांधी ने कुछ माताओं से अपने घर पर मुलाकात की और उनकी चिंता को एक वीडियो के जरिए साझा किया। उन्होंने कहा, 'हर मां यही कहती है, उसका बच्चा जहरीली हवा में सांस ले रहा है। वे थक चुकी हैं, डरी हुई हैं और नाराज हैं।' बच्चे हमारे सामने घुट रहे हैं- राहुल गांधीः उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में पूछा, 'मोदी जी, भारत के बच्चे हमारे सामने घुट रहे हैं। आप चुप कैसे रह सकते हैं? आपकी सरकार कोई तत्परता, कोई योजना या कोई जवाबदेही क्यों नहीं दिखाती?' राहुल गांधी ने कहा कि भारत के बच्चों को साफ हवा चाहिए, बहाने नहीं।

धोनी के घर पहुंचे कोहली और पंत थाला ने खुद किंग को पहुंचाया होटल

संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में गुरुवार देर रात भारतीय क्रिकेट फैन्स के लिए एक दिल छू लेने वाला पल देखने को मिला। एक वायरल वीडियो में पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अपने पुराने साथी और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के साथ अपनी कार में ड्राइव करते हुए नजर आए। जैसे ही वीडियो सोशल मीडिया पर आया, यह मिनटों में वायरल हो गया और फैन्स ने इसे 'री-यूनियन ऑफ द ईयर' कहना शुरू कर दिया। अक्सर जब टीम इंडिया रांची में मैच खेलने आती है, तब क्रिकेटर धोनी के घर पहुंचते हैं, और यह परंपरा इस बार भी जिंदा रही। भारतीय टीम दक्षिण

अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज खेलने रांची पहुंची है, और यह मुलाकात उसी दौरान हुई। विराट के अलावा कई और खिलाड़ी भी धोनी से मिलने उनके घर पहुंचे। इनमें ऋषभ पंत और ऋतुराज गायकवाड़ भी शामिल हैं। इंटरनेट पर लगी आगः भावनाएं उमड़ींः डिनर के बाद धोनी और कोहली को कार में साथ जाते हुए देखा गया। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि धोनी खुद कोहली को टीम होटल छोड़ने गए, हालांकि इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। फिर भी वीडियो में कोहली की मुस्कान और धोनी की सादगी देखकर फैन्स में पुरानी यादें ताजा हो गईं। उस दौर की यादें ताजा हो गईं, जब दोनों मिलकर भारतीय क्रिकेट का स्वर्णिम अध्याय लिख रहे थे। स्टार स्पोर्ट्स ने भी वीडियो शेयर करते हुए लिखा- रीयूनियन ऑफ द ईयर। इसके अलावा पंत और ऋतुराज भी डिनर के लिए धोनी के घर के अंदर जाते दिखे।

ठंड से पति-पत्नी की मौत, प्लास्टिक के नीचे गुजार रहे थे रातें

संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूमः चक्रधरपुर में एक खानाबदोश दंपत्ति की ठंड से मौत हो गयी है। सबसे पहले गुरुवार को ठंड लगने से बीमार हुई पत्नी की मौत अस्पताल में हो गयी। उसके बाद दूसरे दिन शुक्रवार को पति की भी मौत प्लास्टिक के नीचे ठंड भरी रात में सोते हुए हो गयी। सूचना के बाद दोनों का अंतिम संस्कार स्थानीय वार्ड पार्षद सोमनाथ रजक द्वारा कराया गया है।

स्थानीय वार्ड पार्षद सोमनाथ रजक ने बताया कि दोनों खानाबदोश की जिंदगी जी रहे थे। वे चक्रधरपुर के पांच मोड़ पर प्लास्टिक का तंबू बांधकर रहते थे। दोनों की मौत की वजह प्रथम दृष्टया ठंड लगने से

बतायी जा रही है। क्योंकि दोनों इस कड़ाके की ठंड में मात्र एक प्लास्टिक के नीचे अपना सिर छुपा कर रह रहे थे। रात में बढ़ती ठंड में भी इन्हें राहत नहीं मिली। खबर लिखे जाने तक दोनों की पहचान फिलहाल नहीं हो पायी है।

दर्दनाक हादसा : कार पर पलटा तेज रफ्तार डंपर, एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत

एजेंसी

नई दिल्लीः दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे पर आज सुबह बड़ा सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में सात लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, सहारनपुर के सैय्यद माजरा गांव का एक परिवार कार से कहीं जा रहा था। जैसे ही उनकी कार एक्सप्रेस-वे पर पहुंची, तभी देहरादून की ओर से तेज रफ्तार में खनिज से लदा एक डंपर आ रहा था। डंपर तेज रफ्तार में था और अनियंत्रित होकर कार के ऊपर पलट गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। बताया जा रहा है कि डंपर तेज रफ्तार से आ रहा था। सामने कार दिखते ही डंपर चालक ने अचानक ब्रेक लगाई, लेकिन तेज रफ्तार की वजह से वाहन अनियंत्रित हो गया और सीधे कार के ऊपर पलट गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह डंपर के नीचे दबकर क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि कार में मौजूद 7 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जिनमें एक छोटी बच्ची भी शामिल है। हालांकि पुलिस ने अभी तक मृतकों और घायलों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। बचाव दल और पुलिस मौके पर पहुंचकर मलबा हटाने में जुटे हैं। परिवार कहां जा रहा था, इसकी जानकारी पुलिस खंगाल रही है।

लोगों ने लगाया एक्सप्रेस-वे पर जाम : हादसे के बाद लोगों में भारी रोष फैल गया। आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए और एक्सप्रेस-वे पर जाम लगा दिया। उन्होंने शव उठाने से भी इनकार कर दिया, जिसके कारण फिलहाल एक्सप्रेस-वे पर जाम की स्थिति बनी हुई है। पुलिस ने डंपर को कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच जारी है।

कोहरे का कहर : हाईवे पर खड़े ट्रक में घुसी कार, पिता- पुत्र सहित चार लोगों की मौत

मिजार्पुर : शुक्रवार तड़के घने कोहरे के कारण प्रयागराज-वाराणसी हाईवे पर बड़ा सड़क हादसा हो गया। प्रयागराज से वाराणसी की ओर जा रही एक स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर सड़क पार कर रहे ट्रक चालक और खलासी को रौंदते हुए खड़े ट्रक में जा घुसी। हादसे में कार सवार पिता- पुत्र सहित कुल चार लोगों की मौत हो गई। कार के टकराने के बाद सड़क पर बिखरे शवों को देखकर राहगीरों के होश उड़ गए। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत- बचाव कार्य शुरू किया। सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। कछवां थाना क्षेत्र के कटका हाईवे पर भारत पेट्रोलियम के पास यह दुर्घटना हुई। प्रयागराज से वाराणसी जा रही कार अचानक अनियंत्रित होकर खड़े ट्रक में जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में सवार श्यामकृष्ण यादव और उनके पुत्र अनुराग यादव की मौके पर ही मौत हो गई। उसी समय खाना खाकर अपने ट्रक की ओर लौट रहे ट्रक ड्राइवर और खलासी भी कार की चपेट में आ गए। ट्रक ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल खलासी को भदोही मंडलीय अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। मृत ट्रक चालक और खलासी की पहचान अभी नहीं हो सकी है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने कार को ट्रक से बाहर निकलवाकर तीन शवों को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की। खलासी को अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी भी मौत हो गई। सीओ सदर अमर बहादुर ने बताया कि हादसे में कुल चार लोगों की मौत हुई है। आगे की आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

चोरी के शक में प्लंबर की हत्या , तीन गिरफ्तार

संवाददाता

सिमडेगा : जिले में चोरी के संदेह में कुछ लोगों के एक समूह ने 38 वर्षीय प्लंबर की बुरी तरह से पिटाई कर दी जिससे रांची में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस ने इस संबंध में तीन लोगों को हिरासत में लिया है। कोलेबिरा थाने के प्रभारी हर्ष कुमार साह ने बताया कि मृतक सिकंदर प्रसाद की पत्नी ने 9-10 अज्ञात लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि उन्होंने 19 नवंबर को उनके पति पर हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मंगलवार को रांची के राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने कहा, मृतक की पत्नी, मुन्नी देवी ने अपनी शिकायत में कहा कि उनके पति प्लंबर का काम करते थे और कोलेबिरा में जल कार्य विभाग के साथ काम करते थे। उन्होंने दावा किया कि उनके पति को 19 नवंबर को पानी की पंप

मोटर फिट करने के लिए अदेगा पंचायत बुलाया गया था। दोपहर के भोजन के बाद काम पर लौटते समय, उन्हें 9-10 लोगों ने रोक लिया, जिन्होंने पानी की पंप के पुर्जे चुराने का आरोप लगाते हुए उनकी पिटाई की। सूचना मिलने के बाद, पुलिस घायल व्यक्ति को कोलेबिरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई और बाद में उसे थाने ले आई। अधिकारी ने बताया कि अगले दिन सुबह मुखिया के हस्तक्षेप के बाद उसे छोड़ दिया गया। शिकायतकर्ता ने बताया कि प्रसाद की हालत बिगड़ने के बाद उसे सिमडेगा सदर अस्पताल ले जाया गया। साह ने बताया कि 24 नवंबर को डॉक्टरों ने परिवार को सूचित किया कि उनकी छाती और कंधे की हड्डियां टूट गई हैं और उन्हें गंभीर अंदरूनी चोटें आई हैं। प्रसाद को बेहतर इलाज के लिए उसी दिन रिम्स रेफर कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि 25 नवंबर की शाम को रांची के अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

देश में श्रमिकों की पूजा, मेहनत का फल दूजा

कई दशकों तक भारत कमजोर आर्थिक विकास, गहरे भ्रष्टाचार और रोजगार सृजन व श्रमिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता के अभाव से जूझता रहा। राजनीतिक उद्देश्यों से होने वाले घेराव और बंदी ने बार-बार औद्योगिक गतिविधियों को बाधित किया, निवेश को रोका और व्यवस्था में विश्वास को कम किया। यह दुख की बात है कि पिछली सरकारों ने श्रमिक कल्याण को केवल नारों तक सीमित कर दिया और श्रमिकों के वास्तविक मुद्दों को गंभीरता से लेने में विफल रहीं। इस जड़ता को तोड़ने के लिए देश के नेतृत्व में एक बड़ा बदलाव जरूरी था। लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ह्यश्रमेव जयतेह्व का आह्वान किया और कहा कि भारत की विकास यात्रा के केंद्र में श्रम की गरिमा यानी मजदूरों का सम्मान होना चाहिए। यह केवल एक नारा नहीं था, बल्कि एक नई राष्ट्रीय सोच की शुरूआत थी, जिसमें नीतियां बनाते समय श्रमिकों को केंद्र में रखा गया। ऐसे बदलाव की जरूरत बहुत समय से महसूस की जा रही थी। भारत के ज्यादातर श्रम कानून 1920 से 1950 के बीच बने थे और उनमें औपनिवेशिक सोच की झलक रहती थी। दूसरी ओर, दुनिया में काम करने का तरीका पूरी तरह बदल चुका था। गिग और प्लेटफार्म में अर्थव्यवस्था का बढ़ना, डिजिटल कामकाज, लचीली कार्य संरचनाएं और नए प्रकार के उद्यम तेजी से उभर रहे थे। लेकिन भारत के पुराने श्रम कानून समय के साथ नहीं बदले, और आधुनिक कार्यबल या प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहे थे। एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पंच प्रण के माध्यम से यह संदेश दिया कि हमें औपनिवेशिक मानसिकता छोड़कर भविष्य की जरूरतों के अनुसार आगे बढ़ना चाहिए। पुराने कानून इसलिए नहीं बने रहे क्योंकि वे अच्छे थे, बल्कि इसलिए क्योंकि पिछली सरकारों में उन्हें बदलने का राजनीतिक साहस, इच्छा शक्ति और दूरदृष्टि की कमी थी। बदलती परिस्थितियों और देश की जरूरतों के अनुसार उन्हें आधुनिक बनाने की हिम्मत किसी ने नहीं दिखाई। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत का वैश्विक कद अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। दुनिया मानती है कि भारत अब भविष्य को आकार देने में केवल भाग नहीं ले रहा है, बल्कि उसे परिभाषित करने में भी मदद कर रहा है। लेकिन इस ऐतिहासिक क्षण का सही अर्थों में लाभ उठाने और संभावनाओं को दीर्घकालिक समृद्धि में बदलने के लिए, भारत औपनिवेशिक काल के उस श्रम ढांचे से बंधा नहीं रह सकता जो सशक्तिकरण के बजाय नियंत्रण के लिए बनाया गया था। इसलिए, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन, औपचारिकता का विस्तार और सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक बदलाव आवश्यक था। इस राष्ट्रीय आवश्यकता को समझते हुए मोदी सरकार ने स्वतंत्र भारत के सबसे महत्वपूर्ण सुधारों में से एक को लागू किया। पहले के 29 बिखरे हुए श्रम कानूनों को मिलाकर चार सरल और स्पष्ट श्रम संहिताएं बनाई गईं- वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता। 21 नवंबर 2025 को ये श्रम संहिताएं लागू हो गईं। ये संहिताएं मिलकर एक आधुनिक श्रम ढांचा स्थापित करती हैं जो श्रमिक-समर्थक और विकास-समर्थक दोनों है, और यह दिखाता है कि भारत अब तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था की मांगों को पूरा करने के लिए तैयार है। संसद द्वारा 2019 और 2020 में श्रम संहिताओं को पारित किया गया था। कई राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, श्रमिक संघों और उद्योग निकायों ने उनके प्रगतिशील इरादे का स्वागत किया है। उनकी खूबियों को पहचानते हुए सभी राजनीतिक दलों के राज्यों ने संहिताओं के अनुसार से अपने श्रम कानूनों में बदलाव किए। उदाहरण के लिए, जिन राज्यों ने महिलाओं को उनकी सहमति और पर्याप्त सुरक्षा उपायों के साथ रात में काम करने की अनुमति दी है, वहां कुल महिला रोजगार में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। सभी क्षेत्रों के स्टेकहोल्डर्स ने एक पुरानी हो चुकी श्रम प्रणाली से आगे बढ़ने की आवश्यकता को पहचाना है। उनके योगदान ने एक संतुलित ढांचा तैयार करने में मदद की है जो श्रमिकों की सुरक्षा करता है और साथ ही अर्थव्यवस्था को विकसित होने में भी सक्षम बनाता है। श्रमिकों और इंडस्ट्री लीडर्स के साथ मेरी बातचीत में जो बात हमेशा सामने आई है वह कार्यस्थल पर स्पष्टता, निष्पक्षता और सम्मान की आवश्यकता पर बल देती है। इसी मार्गदर्शक सिद्धांत ने हमारे सुधारों को आकार दिया है, जिसने एक जटिल और बिखरे हुए सिस्टम को एक ऐसे सिस्टम से बदल दिया है जो सरल, पारदर्शी और हर श्रमिक की सुरक्षा करने वाला है। श्रम संहिताएं अपने मूलभाव और अक्षरशः रूप में नियोक्ताओं की अपेक्षाओं को संतुलित करते हुए श्रमिकों के हितों को प्राथमिकता देती हैं। वे निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देती हैं और सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करती हैं। ये संहिताएं ऑडियो-विजुअल श्रमिकों और गिग तथा प्लेटफॉर्म श्रमिकों को औपचारिक मान्यता प्रदान करती हैं। ये अखिल भारतीय ईएसआईसी कवरेज को सक्षम बनाती हैं, 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी श्रमिकों के लिए वार्षिक स्वास्थ्य जांच अनिवार्य करती हैं, जिनमें पहले बाहर रखे गए बागान श्रमिक भी शामिल हैं। साथ ही ये राज्यों में असमानताओं को कम करने के लिए सभी श्रमिकों के लिए वैधानिक न्यूनतम वेतन की गारंटी देती हैं। अनिवार्य नियुक्ति पत्र, पक्की पे स्लिप और सवेतन वार्षिक अवकाश जैसे प्रावधान हर श्रमिक को अधिक स्थिरता, सम्मान और सुरक्षा प्रदान करते हैं।

कॉन्ट्रैक्ट आधारित रोजगार के एक प्रगतिशील विकल्प के रूप में, संहिताओं में फिक्स्ड टर्म एम्प्लॉयमेंट (एफटीई) यानी निश्चित अवधि के रोजगार की शुरूआत की गई है। एफटीई के तहत, एक निश्चित अवधि के लिए नियोजित श्रमिकों को स्थायी कर्मचारियों के समान ही वेतन, लाभ और काम करने की स्थितियां प्राप्त होती हैं, जिनमें सवेतन अवकाश, काम के तय घंटे, चिकित्सा सुविधाएं, सामाजिक सुरक्षा और अन्य वैधानिक सुरक्षाएं शामिल हैं। विशेष रूप से, एफटीई कर्मचारी केवल एक वर्ष की निरंतर सेवा के बाद ही ग्रेच्युटी के लिए पात्र हो जाते हैं। संहिताएं आधुनिक कार्यस्थलों की वास्तविकताओं को भी स्वीकार करती हैं। यदि कोई कर्मचारी स्वेच्छा से मानक घंटों से अधिक काम करना चुनता है, तो उसे ओवरटाइम के लिए नॉर्मल सैलरी रेट से दोगुना पैसा मिलना चाहिए, जिससे हर परिस्थिति में निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके। नारी शक्ति इन सुधारों का एक केंद्रीय स्तंभ है। प्रधानमंत्री मोदी के महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के दृष्टिकोण से निर्देशित, ये संहिताएं महिलाओं के लिए विभिन्न क्षेत्रों में शामिल होने के नए रास्ते खोलती हैं–जिनमें अंडरग्राउंड खदानों, भारी मशीनरी और नाइट शिफ्ट में काम करना शामिल हैं–बशर्ते इस पर उनकी सहमति हो और मजबूत सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू हों। इसके साथ ही, संहिताएं सिंगल रजिस्ट्रेशन, सिंगल लाइसेंस और सिंगल रिटर्न फाइलिंग की शुरूआत करके नियोक्ताओं पर कम्प्लायंस के बोझ को काफी कम करती हैं। यह सरलीकरण उद्योगों को पूरे भारत में अपनी यूनिट्स का विस्तार करने और स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करेगा, जिससे स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। भारत की सामाजिक सुरक्षा 2015 में 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64.3 प्रतिशत होने की विश ?व में प्रशंसा हुई है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने भारत की प्रयासों को माना है, जबकि अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ ने सामाजिक सुरक्षा में बेहतरीन काम के लिए भारत को पुरस्कार प्रदान किया है।

लापता बच्चों पर बहस को अंजाम तक पहुंचाने की जरूरत

सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को लापता बच्चों के मामलों को देखने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की तरफ से संचालित मिशन वात्सल्य पोर्टल पर प्रकाशन के लिए उनके नाम और संपर्क विवरण उपलब्ध कराने का निर्देश दे। अदालत ने इससे पहले केंद्र से लापता बच्चों का पता लगाने और ऐसे मामलों की जांच के लिए गृह मंत्रालय के तत्वावधान में एक समर्पित ऑनलाइन पोर्टल बनाने को कहा था।

देश में हर साल बड़ी संख्या में बच्चे लापता होते हैं। उच्चतम न्यायालय में हाल में इस गंभीर मसले पर सुनवाई के दौरा न्यायमूर्ति नागरत्ना ने मौखिक टिप्पणी की, 'मैंने समाचार पत्र में पढ़ा है कि देश में हर आठ मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है।' उच्चतम अदालत ने टिप्पणी की कि गोद लेने की प्रक्रिया कठोर होने के कारण, इसका उल्लंघन होना स्वाभाविक है और लोग बच्चे पैदा करने के लिए अवैध तरीके अपनाते हैं। अतिरिक्त सालिसिटर जनरल

लालजी जायसवाल

ऐश्वर्या भाटी ने लापता बच्चों के मामलों को देखने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने के लिए छह सप्ताह का समय मांगा। मालूम हो कि अदालत ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि वह सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को लापता बच्चों के मामलों को देखने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की तरफ से संचालित मिशन वात्सल्य पोर्टल पर प्रकाशन के लिए उनके नाम और संपर्क विवरण उपलब्ध कराने का निर्देश दे। अदालत ने इससे पहले केंद्र से लापता बच्चों का पता लगाने और ऐसे मामलों की जांच के लिए गृह मंत्रालय के तत्वावधान में एक समर्पित ऑनलाइन पोर्टल बनाने को कहा था। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में लापता बच्चों का पता लगाने के काम में लगे पुलिस अधिकारियों के बीच समन्वय की कमी को रेखांकित किया था। अदालत ने कहा था कि पोर्टल पर प्रत्येक राज्य से एक समर्पित अधिकारी का नाम- फोन नंबर आदि हो सकता है जो सूचना प्रसारित करने के अलावा गुमशुदगी की शिकायतों का प्रभारी भी हो सकता है। पूर्व में एक एनजीओ ने अदालत का रुख किया था और अपहरण किए जा चुके या लापता बच्चों के अनसुलझे मामलों के अलावा भारत सरकार की तरफ से निगरानी किए जाने वाले खोया/ पाया पोर्टल पर उपलब्ध जानकारी के आधार पर की जाने वाली कार्रवाई पर प्रकाश डाला था। बच्चों का गायब होना सचमुच चिंताजनक है। बच्चों के लापता होने के कई कारण हैं, जिनमें अपराध, तस्करी, हत्या और देह व्यापार आदि की आशंकाएं प्रबल हैं। इसमें प्रशासनिक लापरवाही एक बड़ा कारण हो सकती है, जिसमें सुधार की आवश्यकता हमेशा देखी जाएगी। भारत में गुमशुदा या लापता बच्चों की संख्या बहुत ज्यादा है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार, हर साल मानव तस्करी में लगातार बढ़ोतरी होती जा रही है। विधि आयोग द्वारा न्यायिक नीति पर जारी संक्षिप्त पुस्तक में भी इस समस्या पर प्रकाश डाला गया है। इस क्षेत्र में सबसे पहले लापता बच्चों का सुराग लेने और तस्करी से जुड़े सभी संपर्कों के लिए कानूनी बदलाव की तुरंत आवश्यकता है। वर्ष 2013 और 2014 के बीच कम से कम 6,700 बच्चे लापता हुए। इनमें से 45 प्रतिशत बच्चे अवयस्क थे, जिन्हें वेश्यावृत्ति के धंधे में धकेल दिया गया।

राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार, मानव तस्करी के पीछे अनेक कारण होते हैं। जबरन विवाह, बाल श्रम, घरेलू नौकर और लैंगिक शोषण इसके पीछे मुख्य कारण हैं। बच्चों की सुरक्षा किसी राष्ट्र के नैतिक मूल्यों से जुड़ी होती है। भारत को भी इस मोर्चे पर सुधार की जरूरत है। वर्ष 2024-25 में लगभग 45 हजार बच्चों को शोषण से बचाया गया है। इनमें से 90 प्रतिशत को बालश्रम में लगाया गया था। एनसीआरबी के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 47 हजार से अधिक बच्चे लापता सूची में हैं। इनमें से 71.4 प्रतिशत नाबालिग लड़कियां हैं। अधिकांश लापता बच्चों को बाल-श्रम, भीख मांगने या यौन शोषण के लिए मजबूर किया जाता है। हालांकि खोया-पाया जैसे नागरिक प्लेटफार्म ने कुछ बच्चों को उनके परिवार से जुड़ने में मदद की है। लेकिन असली रोकथाम ऐसे रैकेट और प्रतिष्ठानों में शामिल व्यक्तियों पर तुरंत मुकदमा चलाने से होगा, जहां बच्चों को रखा जाता है, और उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। बच्चों के साथ होने वाले अपराधों के मूल कारणों को दूर करना जरूरी है। सामुदायिक सतर्कता नेटवर्क की मदद से भी बच्चों की उठाईगिरी को रोका जा सकता है। लिहाजा बच्चों की सुरक्षा के लिए समन्वित प्रयास होने चाहिए।

नवजात बच्चों की चोरी और तस्करी से जुड़े मामले में सबसे बड़ी अदालत ने कहा था कि अगर किसी नवजात बच्चे को अस्पताल से चुराया जाता है, तो उस अस्पताल का लाइसेंस रद कर देना चाहिए। नवजात शिशुओं की चोरी किसी भी समाज के लिए केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं पर भी आघात है। अस्पतालों में ऐसी घटनाओं का होना यह दशार्ता है कि सुरक्षा मानकों, कर्मचारियों की नैतिकता और प्रशासनिक निगरानी में गंभीर कमी है। जिन संस्थानों में इस तरह की लापरवाहियां सामने आती हैं, उनका लाइसेंस तत्काल रद किया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई हो। लाइसेंस रद करने की नीति न सिर्फ अस्पताल प्रबंधन को जवाबदेह बनाएगी, बल्कि निजी और सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को भी सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए बाध्य करेगी। नवजात की सुरक्षा किसी सुविधा का विषय नहीं, बल्कि अनिवार्य जिम्मेदारी है और इस जिम्मेदारी में जरा-सी भी चूक के लिए ह्यशून्य सहनशीलताह्व की नीति ही समाज और न्याय दोनों के हित में है। लापता बच्चा केवल एक मामला नहीं- वह राज्य की जिम्मेदारी, समाज की सतर्कता और प्रशासन की जवाबदेही का पैमाना है। वर्तमान समय में आवश्यक है कि तकनीकी संसाधनों का त्वरित उपयोग, स्पष्ट प्रोटोकाल और पारदर्शी जांच प्रक्रिया के साथ बच्चों की सुरक्षा को शीर्ष प्राथमिकता दी जाए, ताकि कोई भी बच्चा व्यवस्था की चूक का शिकार न बने। भारत में लापता बच्चों और मानव तस्करी के बढ़ते जाल ने अब अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में जगह बना ली है। मानव तस्करी तो समस्त विश्व की चिंता का विषय बना हुआ है। भारत के लिए तो यह और भी चिंताजनक है, क्योंकि यहां इस प्रकार के आपराधिक समूह सबसे ज्यादा फल-फूल रहे हैं। इस समस्या की भयावहता को देखते हुए इससे निपटने के लिए एक सशक्त संगठन या मंच की आवश्यकता है। मुक्त हुए बच्चों के लिए पुनर्वास की अच्छी व्यवस्था करनी होगी। प्रशासनिक तंत्र में कई स्तरों पर गंभीर कमियां हैं। परिवारों द्वारा दर्ज कराई जाने वाली शिकायतों पर समय पर कार्रवाई नहीं होती। कई मामलों में पुलिस प्रारंभिक प्रतिक्रिया के रूप में यह मान लेती है कि बच्चा स्वयं लौट आएगा, जिससे खोज के शुरूआती महत्वपूर्ण घंटे व्यर्थ चले जाते हैं। राज्यों के बीच समन्वय का अभाव लापता बच्चों की तलाश को और चुनौतीपूर्ण बना देता है। मिशन वात्सल्य जैसी योजनाएं व विभिन्न पोर्टल मौजूद होने के बावजूद उनका प्रभाव जमीन पर नहीं दिखता। यह समस्या दशार्ती है कि केवल नीतियां बना देना पर्याप्त नहीं है। हालांकि, बच्चों के लापता होने के पीछे कई सामाजिक और मनोवैज्ञानिक कारण भी होते हैं, जो परिवार, स्कूल और समुदाय की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाते हैं। परिवारों में संवाद की कमी, तनावपूर्ण सामाजिक वातावरण, मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं और जागरुकता का अभाव इस समस्या को और जटिल बना देते हैं। स्कूलों में परामर्श से जुड़ी सेवाएं सीमित और औपचारिकता भर होती हैं। समुदाय स्तर पर भी बच्चों की सुरक्षा और अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता का अभाव देखने को मिलता है। कई घटनाओं में बच्चे पारिवारिक कलह, घरेलू हिंसा, परीक्षा के भय, भावनात्मक तनाव या प्रेम संबंधों के कारण घर छोड़ देते हैं। कुछ मामलों में रोजगार या बेहतर भविष्य के नाम पर बच्चे ऐसे जाल में फंस जाते हैं, जहां से लौटना लगभग असंभव हो जाता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कहीं कांग्रेस के विघटन का कारण उसकी वामपंथी सोच तो नहीं?

कांग्रेस का ऐतिहासिक स्वरूप हमेशा से मध्यमार्गी रहा है। यही उसकी ताकत भी थी–विभिन्न विचारधाराओं को एक साथ रखने की क्षमता। गांधी का सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोण, पटेल का प्रशासनिक व्यावहारिकता का आग्रह और नेहरू का आधुनिकता व समाजवाद की ओर झुकाव–ये सब मिलकर कांग्रेस को एक अम्ब्रेला पार्टी बनाते थे।

महेन्द्र तिवारी

यह प्रश्न आज भारतीय राजनीति की बदलती दिशाओं और सामाजिक-आर्थिक रूपांतरणों के बीच बार-बार उठता है। कांग्रेस, जिसने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर राष्ट्र-निर्माण तक अद्वितीय भूमिका निभाई, आज अपनी पहचान, अपने संगठन और अपने मतदाताओं–तीनों से संघर्ष करती दिखती है। एक समय में भारतीय राजनीति की धुरी रही यह पार्टी अब अपने ही बिखरे हुए वैचारिक आधार, नेतृत्व संबंधी उलझनों और जनभावनाओं से दूरी के कारण कमजोर होती जा रही है। ऐसे में यह जांचना स्वाभाविक है कि क्या वास्तव में वामपंथी झुकाव कांग्रेस के पतन का केंद्रीय कारण है, या यह केवल एक बड़े संकट का एक पहलू भर है। कांग्रेस का ऐतिहासिक स्वरूप हमेशा से मध्यमार्गी रहा है। यही उसकी ताकत भी थी–विभिन्न विचारधाराओं को एक साथ रखने की क्षमता। गांधी का सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोण, पटेल का प्रशासनिक व्यावहारिकता का आग्रह और नेहरू का आधुनिकता व समाजवाद की ओर झुकाव–ये सब मिलकर कांग्रेस को एक ह्यअम्ब्रेला पार्टीह्व बनाते थे। लेकिन स्वतंत्रता के बाद यह संतुलन धीरे-धीरे बिगड़ने लगा। नेहरू का समाजवादी दृष्टिकोण उस समय की परिस्थितियों में समझदारी भरा था, परंतु इसने पार्टी की वैचारिक दिशा को स्थायी रूप से बाईं ओर मोड़ दिया। बाद में इंदिरा गांधी के दौर में यह झुकाव और स्पष्ट हुआ। 1969 के विभाजन, बैंकों के राष्ट्रीयकरण, प्रिवी पर्स की समाप्ति और ह्लगरीबी हटाओह्व जैसे नारों ने कांग्रेस को स्पष्ट रूप से समाजवादी-लोकलुभावन राजनीति के रास्ते पर ला खड़ा किया। इससे तत्कालीन राजनीतिक वातावरण में कांग्रेस को लाभ मिला, लेकिन दीर्घकाल में उसने पार्टी की विविधता को क्षति पहुंचाई। दक्षिणपंथी और उदारवादी प्रवृत्तियाँ धीरे-धीरे हाशिए पर चली गईं और कांग्रेस का वैचारिक क्षेत्र सीमित होता गया। वास्तविक समस्या तब और गहरी हुई जब भारत की आर्थिक परिस्थितियाँ बदलीं, लेकिन कांग्रेस उसी पुराने समाजवादी ढांचे से बाहर निकलने को तैयार नहीं हुई। लाइसेंस राज की कठोरता, सरकार का अत्यधिक नियंत्रण और उद्यमशीलता के प्रति अविश्वास ने भारत की विकास यात्रा को लंबे समय तक रोके रखा। 1991 में पी.वी. नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह ने उदारीकरण शुरू करके कांग्रेस के भीतर छिपी हुई उदारवादी धारा को एक बार फिर जीवित किया, लेकिन यह बदलाव पार्टी के भीतर एक स्थायी वैचारिक सुधार के रूप में स्थापित नहीं हो पाया। दो दशक बाद जब भारत का मध्यम वर्ग मजबूत हो चुका था और ह्यअवसर आधारित विकासह्व को प्राथमिकता देने लगा था, कांग्रेस फिर से कल्याणकारी राजनीति और पुनर्वितरण-आधारित वामपंथी तर्कों में फंस गई। खासकर राहुल गांधी की राजनीति में उद्योगपतियों का खलनायकीकरण, संपत्ति कर जैसे विचारों का समर्थन और उद्यमियों के प्रति शंका–ये सब ऐसे संकेत थे जो उभरते हुए मध्यम वर्ग को असहज करते रहे। आकांक्षी भारत अब ह्लफ्रीबीह्व से अधिक ह्लफ्रीडम टू ग्रोह्व चाहता था, लेकिन कांग्रेस का संदेश पुराने समाजवादी ढांचे में अटका हुआ दिखा। वामपंथी सोच का प्रभाव केवल आर्थिक नीतियों तक सीमित नहीं रहा। सांस्कृतिक और सामाजिक क्षेत्र में भी यह झुकाव कांग्रेस को बहुसंख्यक समाज से दूर ले गया। धर्मनिरपेक्षता, जो कभी कांग्रेस की ताकत थी, वाम-प्रेरित अकादमिक धारणाओं के प्रभाव में तुष्टिकरण जैसी नीति में बदलती गई। वामपंथी बौद्धिक वर्ग अक्सर भारतीय सभ्यता, परंपरा और धार्मिक प्रतीकों के प्रति आलोचनात्मक रुख रखता रहा है, और कांग्रेस ने समय के साथ इसी दृष्टिकोण को अपनी राजनीति में समाहित कर लिया। इसका परिणाम यह हुआ कि कांग्रेस एक ऐसी पार्टी के रूप में देखी जाने लगी जो भारत की मूल सांस्कृतिक पहचान से असंगत है। राम मंदिर, समान नागरिक संहिता या धारा 370 जैसे मुद्दों पर कांग्रेस का रुख अक्सर जनभावनाओं के विपरीत प्रतीत हुआ, जबकि भाजपा ने इन मुद्दों को सांस्कृतिक राष्ट्रीयता के भावनात्मक फ्रेम में पेश कर जनता से सीधा जुड़ाव बना लिया। परंतु यह कहना कि कांग्रेस के पतन का पूरा कारण केवल वामपंथी सोच है, वास्तविकता को सरलीकृत करना होगा। वामपंथी दिशा ने कांग्रेस की समस्याओं को अवश्य गहरा किया, लेकिन नेतृत्व संकट, संगठनात्मक कमजोरी और भ्रष्टाचार के आरोपों ने इस पतन को कई गुना तेज कर दिया। नेतृत्व लंबे समय से एक ही परिवार के इर्द-गिर्द केंद्रित रहा, जिससे संगठन में स्वायत्तता और वैचारिक बहस समाप्त हो गई। पार्टी भीतर से खोखली होती गई, क्षेत्रीय नेतृत्व कमजोर पड़ा और कैडर-आधारित राजनीति की क्षमता लगभग खत्म हो गई। यूपीए-2 के समय हुए घोटालों ने कांग्रेस की नैतिक विश्वसनीयता को बुरी तरह क्षति पहुंचाई। जनता के बीच यह धारणा बनी कि कांग्रेस विकास से अधिक सत्ता-संरक्षण में रुचि रखती है। आज की स्थिति यह है कि कांग्रेस एक मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टी से अधिक एक ह्यलेफ्ट-लिबरल एनजीओह्व जैसी प्रतीत होती है–नीतियों और घोषणाओं में अधिक विचारधारा, पर जमीन पर संगठनात्मक कार्यवाही कम। 2024 के बाद यह समस्या और स्पष्ट रूप से सामने आई है। पार्टी जिस सामाजिक-आर्थिक जनसमूह को अपनी नीतियों से आकर्षित करना चाहती थी, वह या तो क्षेत्रीय दलों की ओर चला गया है या भाजपा की राष्ट्रवादी-आर्थिक कथा में समा गया है। वहीं शहरी मध्यम वर्ग, जो उदारीकरण का लाभार्थी है और जिसे कांग्रेस अपने साथ जोड़ सकती थी, वामपंथी-स्वरूपित संदेशों से अलग-थलग महसूस करता है। इसलिए, कांग्रेस के विघटन का कारण एकल नहीं, बल्कि बहुआयामी है। फिर भी, यह कहना गलत नहीं होगा कि वामपंथी झुकाव पार्टी की पहचान, उसकी रणनीति और उसकी प्रासंगिकता–तीनों को कमजोर करने वाला एक केंद्रीय तत्व रहा है। वास्तविक समस्या यह रही कि कांग्रेस ने समय के बदलते सामाजिक-आर्थिक माहौल को समझने में देरी की। जब विश्व समाजवाद से आगे बढ़कर व्यावहारिक उदारवाद और कल्याणकारी पूंजीवाद की ओर बढ़ा, कांग्रेस वैचारिक रूप से 1970 के दशक के समाजवादी फ्रेम में जकड़ी रही। उसने मध्यमार्गी राजनीति–जो उसकी असली पूंजी थी–को त्याग दिया और इस प्रकार वह उस भारत से कट गई जो बदल रहा था, बढ़ रहा था और नए अवसरों की ओर अग्रसर था।

अंततः प्रश्न यही है कि क्या कांग्रेस समय के साथ खुद को पुनर्स्थापित कर पाएगी? यदि उसे पुनर्जीवन चाहिए, तो उसे वामपंथी पूर्वाग्रहों से बाहर निकलकर अपनी मूल पहचान, मध्यमार्ग और व्यावहारिकता की ओर लौटना ही होगा। कांग्रेस का संकट विचारधारा का नहीं, बल्कि प्रासंगिकता का है–और प्रासंगिकता तभी लौटेगी जब पार्टी उस भारत को समझे, जो आगे बढ़ चुका है।

मोबाइलः 9989703240
ईमेलः mahendratone@gmail.com

मार्गशीर्ष सूर्य सप्तमी व्रत से प्राप्त होती है निरोगी काया

आज मार्गशीर्ष सूर्य सप्तमी व्रत है, जिसे रथ सप्तमी या सूर्य जयंती भी कहा जाता है। यह व्रत माघ महीने के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को मनाया जाता है जो सूर्य को समर्पित एक त्योहार है। इसे सूर्य देव के जन्मदिन के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन लोग सूर्य की उपासना करके आरोग्य, निरोग काया और समृद्धि की कामना करते हैं तो आइए हम आपको सूर्य सप्तमी व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं।

जानें मार्गशीर्ष सूर्य सप्तमी व्रत के बारे में

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की सप्तमी को अर्क, अचला सप्तमी, सूर्यरथ सप्तमी, आरोग्य सप्तमी और भानु सप्तमी आदि के विभिन्न नामों से जाना जाता है। इस दिन जो भी व्यक्ति सूर्यदेव की उपासना करता है, वह सदा निरोगी रहता है। यह एक महत्वपूर्ण हिंदू पर्व है जो विशेष रूप से उत्तर भारत में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। यह पर्व नंदनी व्रत या नंदा सप्तमी व्रत के नाम से भी जाना जाता है। नंदा सप्तमी हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण पर्व है जो देवी नंदा, मां पार्वती का एक रूप और सूर्य देव को समर्पित है। नंदा सप्तमी का दिव्य महत्व कई पहलुओं से जुड़ा हुआ है और यह व्रत खासतौर पर सप्तमी तिथि को होता है। नंदा सप्तमी का व्रत मुख्य रूप से तीन प्रमुख शक्तियों की आराधना के लिए जाना जाता हैः देवी नंदा, भगवान श्री गणेश और सूर्य देव। इस साल मार्गशीर्ष सूर्य सप्तमी तिथि 27 नवंबर को पड़ रही है।

माघ मास की शुक्ल पक्ष की सप्तमी के दिन प्रातः सूर्योदय से पूर्व किसी पवित्र नदी अथवा जलाशय में स्नान करके सूर्य को दीपदान करना उत्तम फलदायी माना गया है। प्रातःकाल किसी अन्य के जलाशय में स्नान करने से पूर्व स्नान किया जाए तो यह बड़ा ही पुण्यदायी होता है। मित्र सप्तमी के दिन पवित्र नदी में स्नान करते समय भगवान सूर्य को जल चढ़ाने का विशेष महत्व है। ब्रह्मांड में सकारात्मकता के स्वामी सूर्यदेव को प्रत्यक्ष देवता माना जाता है। मित्र सप्तमी के दिन सूर्य देव की पूजा करने से सभी सुखों, आंखों की रोशनी और त्वचा के रोगों से मुक्ति मिलती है।

देवी नंदा और मां पार्वती का स्वरूप है खास

नंदा देवी को माता पार्वती या देवी दुर्गा का ही एक स्वरूप माना जाता है। वह नवदुर्गा में से एक हैं और विशेष रूप से इनका पूजन प्राचीन काल से हिमालय क्षेत्र/ उत्तराखंड की कुलदेवी के रूप में पूजा जाता है। नंदा सप्तमी का व्रत मार्गशीर्ष या अगहन मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को रखा जाता है।

मार्गशीर्ष सूर्य सप्तमी व्रत का है विशेष महत्व

पंडितों के अनुसार इस दिन देवी नंदा की पूजा करने से भक्तों को सर्व-सुख सौभाग्य बल और ज्ञान की प्राप्ति होती है। यह व्रत जीवन में शांति और मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए बहुत फलदायी माना जाता है। चूंकि यह सप्तमी तिथि को पड़ता है इसलिए इसे 'भानु सप्तमी' या 'सूर्य सप्तमी' भी कहा जाता है।

टिप्स

नींद न आने की समस्या

आजकल की बदलती लाइफस्टाइल के कारण लोगों की नींद काफी प्रभावित होती है। रोजाना कम घंटे की नींद के साथ सर्वाइव करना, लेट नाइट सोना, फोन स्क्रॉल करने के चक्कर में पर्याप्त नींद न लेना आदि लाइफस्टाइल का हिस्सा बनती जा रही हैं। हालांकि ऐसी तमाम स्टडीज सामने आ चुकी हैं, जिनमें कम नींद के साइड इफेक्ट्स के बारे में खुलासा हुआ है। वैज्ञानिकों के अनुसार, इससे न सिर्फ आपकी फिजिकल हेल्थ बल्कि मेंटल हेल्थ प्रभावित होती है। वहीं कई बीमारियों का जोखिम भी बढ़ जाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया की करीब 10% आबादी अनिद्रा का अनुभव करती है। यह एक आम नींद संबंधी विकार है। जिसमें रात में सोने में या सोते रहने में समस्या होती है। ऐसे में अर आप भी अनिद्रा के मरीज हैं, तो आपको कुछ गलतियां करने से बचना चाहिए। वरना आपका रोजाना का यह स्ट्रगल बढ़ सकता है।

जानिए क्या है अनिद्रा : अनिद्रा को इनसोम्निया कहा जाता है। यह एक ऐसी स्थिति है, जिसकी वजह आपको रात में अच्छी नींद नहीं आती है, या फिर टूट–टूटकर नींद आती है। इसकी वजह से आप जल्दी जाग सकते हैं और हो सकता है कि दोबारा सो पाने में सक्षम नहीं होंगे। एक हेल्दी वयस्क को रोजाना रात में 7–9 घंटे की नींद लेने की सलाह दी जाती है। अगर आप रोजाना 6 घंटे से कम सोते हैं, तो इससे आपका पूरा स्वास्थ्य प्रभावित होता है। ऐसे कंडीशन को बिल्कुल भी इग्नोर नहीं करना चाहिए।

न करें ये गलतियां : आमतौर पर अनिद्रा खतरनाक नहीं है। वहीं इसका इलाज करने के भी कई तरीके मौजूद हैं। आप कुछ गलतियों से बचकर और कुछ चीजों को अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाकर इस समस्या से राहत पा सकते हैं। हम आपके साथ कुछ ऐसे टिप्स शेयर करने जा रहे हैं, जिनको अपनाकर आप रात में अच्छी नींद पा सकती हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

उपायुक्त ने बाल विवाह रोकथाम को लेकर सभी को दिलाई शपथ

संवाददाता

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा द्वारा गुरुवार को समाहरणालय परिसर से 100 दिवसीय बाल विवाह रोकथाम और जागरूकता अभियान को लेकर जागरूकता रथ व जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। साथ ही उपायुक्त ने अभियान की शुरूआत में बाल विवाह के रोकथाम को लेकर सभी को शपथ दिलाया एवं जागरूकता को लेकर हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया।

इसके अलावा उपायुक्त श्री लकड़ा ने मौके पर उपस्थित मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए कहा कि बाल विवाह को जिला से पूर्णतः समाप्त करने की दिशा में हम सभी को सामुहिक प्रयास करने की आवश्यकता हैं। आगे उन्होंने कहा की बाल विवाह केवल एक समस्या नहीं है बल्कि इससे जुड़ी कई कूप्रथाएं मिलकर एक विकट समस्या बनाते हैं, जिसका निवारण आवश्यक हैं। आगे उन्होंने कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक बुराई है और कानून का उल्लंघन है, जो बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और विकास में बाधा है, तथा उनके सपनों को साकार होने से रोकता है। इसलिए हम सभी का यह सामुहिक प्रयास होना चाहिए कि बाल विवाह के खिलाफ रोकथाम और समाज से इस कुरीति को खत्म करने का हर संभव प्रयास करेंगे। आगे उन्होंने बाल विवाह के खिलाफ काम कर रहे गैरसरकारी संगठन व संबंधित विभाग के अधिकारियों को जिला, प्रखंड व पंचायत स्तर पर जनमानस बाल विवाह के दुष्परिणामों तथा कानूनी सजा एवं प्रावधानों से अवगत कराए और जागरूक करने की दिशा में कार्य करें। मौके पर उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कुमारी रंजना एवं संबंधित विभाग के अधिकारी, कर्मी व स्वयं सेवी संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

सभी संस्थानों में फायर सेफ्टी ऑडिट कराने का निर्देश

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से माननीय जिला परिषद अध्यक्षा श्रीमती मोनिका किस्कू उपस्थित रहीं।बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी दिसंबर माह में आपदा से निपटने की तैयारी की समीक्षा हेतु व्यापक मॉक ड्रिल का पूर्व अभ्यास किया जाएगा, ताकि आपदा की स्थिति में त्वरित व प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।उपायुक्त ने आपदा विभाग में आने वाले अभिलेखों की त्रुटियों को शीघ्र दूर कर लाभार्थियों को समय पर लाभ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने उधवा, बरहेट सहित महत्वपूर्ण स्थानों पर पूर्व-चेतावनी सायरन प्रणाली के अधिष्ठापन की प्रक्रिया को तेज करने का निर्देश भी दिया।इसके अलावा सभी सरकारी एवं गैरसरकारी प्रतिष्ठानों, संस्थानों, होटलों आदि में फायर सेफ्टी ऑडिट अनिवार्य रूप से कराने का आदेश देते हुए सुरक्षा मानकों को शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।बैठक में सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, अपर समाहर्ता गौतम भगत सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

रेलवे स्कूल ने 3 विकेट से जीता मैच

साहिबगंज : जिला क्रिकेट संघ के तत्वधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे अंडर-16 जिला क्रिकेट लीग टूनामेंट के तहत गुरुवार को पोखरिया पैंटर्स बनाम रेलवे स्कूल के बीच मैच खेला गया। पोखरिया पैंथर्स ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 18.2 ओवर में 132 रन बना कर ऑल आउट हो गई। पीयूष यादव ने 27, प्रिंस सिंह ने 25, कुणाल यादव ने 15 व सावन ने कुमार ने 13 रन बनाए। रेलवे स्कूल के गेंदबाज जीशान, शिवम, सुशांत व अरमान अंसारी ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी रेलवे स्कूल की टीम15.2 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 134 रन बना कर 3 विकेट से मैच जीत लिया। सुशांत पासवान ने नाबाद 53, अनस अंसारी ने 18, उमंग आनंद ने 10 रन की पारी खेली। पोखरिया पैंटर्स के गेंदबाज पीयूष यादव ने 4 व सावन कुमार ने 2 विकेट लिए। रेलवे स्कूल के खिलाड़ी सुशांत कुमार को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ सुमित कुमार ने सुशांत को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग मो अशफाक आलम व चंदन यादव एवं स्कोरिंग मो अनाउल्लाह अंसारी ने किया। टूनामेंट इंचार्ज अशफाक आलम ने बताया कि 29 नवंबर को जवाहर नवोदय स्कूल बनाम संत जेवियर स्कूल बी के बीच मैच खेला जाएगा।

अवैध भारी वाहन पार्किंग की शिकायत पर सीओ ने की कार्रवाई

साहिबगंज : मंडरो प्रखंड के महादेववरण शिव मंदिर स्थित गांधी आदर्श उच्च विद्यालय परिसर में स्कूल संचालन के बाद अवैध रूप से भारी लोड वाहनों का कुछ लोगों के द्वारा पार्किंग कराया जाता है। इस परेशानी को लेकर विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव हरि तिवारी,प्रधानाध्यापक श्रीनाथ चौधरी, लिपिक गुड्डू भगत, शिक्षक प्रेम शंकर जयसवाल,मनवेल सोरेन,दिलीप चौधरी एवं प्रशांत रजक ने गांधी आदर्श उच्च विद्यालय के अध्यक्ष सह क्षेत्रीय विधायक धनंजय सोरेन को हस्ताक्षरित आवेदन देकर स्कूल परिसर में भारी वाहनों का अवैध पार्किंग लगाने को लेकर आवेदन दिए थे। जिसका की प्रतिलिपि अंचलाधिकारी संजय कुमार शुक्ला,मिजाचौकी थाना प्रभारी एवं पंचायत के मुखिया को भी दिया गया था। गुरुवार को गांधी आदर्श उच्च विद्यालय के परिसर में लगे आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के आयोजन किया गया था। जिसमें उपस्थित अंचलाधिकारी ने आदेश देकर विद्यालय परिसर जाने वाले रास्ते के सामने जेसीबी मशीन से खुदाई कर बड़े-बड़े पत्थर गडवा दिये जिससे कि भारी लोड वाहन का स्कूल परिसर में अवैध पार्किंग नहीं किया जा सके। जबकि छोटा चार चक्का वाहन स्कूल परिसर में जा सकेंगे।वहीं अंचल अधिकारी ने बताएं कि अगर किसी के द्वारा पत्थर हटाकर अवैध पार्किंग कराए जाने की सूचना मिली तो उसके ऊपर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आदिवासी समाज के लोगों ने कुर्मी-महतो, कुर्मी जाति के नेताओं के खिलाफ जमकर की नारेबाजी

साहिबगंज : आदिवासी रक्षा मंच की ओर से गुरुवार को साहिबगंज में जन आक्रोश विरोध प्रदर्शन करते हुए जुलूस निकाला गया। जुलूस राज्य में कुड़मी कुर्मी जाति को एसटी में शामिल करने के विरोध में निकाला गया। जुलूस में शामिल आदिवासी समाज के लोगों ने कुर्मी-महतो, कुर्मी जाति के नेताओं के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कहा कु उन्हें एसटी में शामिल करने पर जन आक्रोश विरोध जताया। जुलूस रेलवे इंस्टिट्यूट मैदान से निकल कर गांधी चौक, चौक बाजार, एलसी रोड, पटेल चौक, कॉलेज रोड, होते हुए समाहरणालय पहुंची। समाहरणालय पहुंचकर आदिवासी समुदाय के लोगों ने वहां पर उपयुक्त को एक ज्ञापन सौंपा गया। मौके पर काफी संख्या में साहिबगंज कॉलेज के कल्याण छात्रावास के छात्र-छात्राएं शामिल थे।

डीसी ने मांगा कर्मचारियों से स्पष्टीकरण

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने गुरुवार को समाहरणालय स्थित जिला विधि शाखा, जिला शिक्षा कार्यालय तथा सामान्य शाखा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने सबसे पहले कर्मियों की उपस्थिति रजिस्टर की जांच की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी कर्मचारी निर्धारित समय पर कार्यालय में उपस्थित रहें तथा कार्यालय कार्य का निष्पादन समय पर सुनिश्चित करें।

इसके उपरांत उपायुक्त श्री सिन्हा ने प्रत्येक शाखा की कर्म पुस्तिका, आगत/निर्गत पंजी का जांच किया और निर्देश दिया कि किसी भी चिट्ठी या पत्राचार को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। उन्होंने कहा कि सभी कर्मी यह सुनिश्चित करें कि प्राप्त प्रत्येक चिट्ठी की न केवल उचित कार्रवाई समय पर की जाए बल्कि उसके विरुद्ध की गई कार्रवाई को भी कर्म पुस्तिका में स्पष्ट रूप से दर्ज किया जाए।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त श्री सिन्हा ने कार्यालय के विभिन्न संचिकाओं को देखा और संबंधित कर्मचारियों से उन पर की गई प्रगति एवं कार्रवाई के बारे में जानकारी प्राप्त की। कई संचिकाओं में कार्य समय पर पूरा पाया गया, जबकि कुछ मामलों में पत्राचार लंबित पाए जाने पर उपायुक्त ने संबंधित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण भी मांगा।

आधार सेवाओं में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में आधार परियोजना से संबंधित समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।बैठक में उपायुक्त ने कहा कि आम जनता की सुविधाओं से जुड़ी आधार सेवाओं में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से उन बातों का जिक्र किया जिनमें आधार अपडेट, नाम सुधार, बायोमेट्रिक त्रुटि तथा विलंब से आधार जारी होने की बात सामने आई है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित मामलों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें।पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि जिले में 08 प्रखंडों में आधार केन्द्र संचालित है। बैठक में जिले में संचालित आधार केन्द्रों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि सभी केन्द्रों पर आधार पंजीकरण और अद्यतन कार्य मानकों के अनुरूप होना चाहिए। इस मौके पर अपर समाहर्ता गौतम भगत, साहायक प्रबंधक क्षेत्रीय कार्यालय रांची हरवीर सिंह युआईडीएआई के परियोजना पदाधिकारी संदीप कुमार तथा अग्रणी बैंक प्रबंधक सुधीर कुमार उपस्थित थे। सभी अधिकारियों ने अपने-अपने स्तर से आधार से जुड़ी गतिविधियों की प्रगति से उपायुक्त को अवगत कराया।बैठक के उपरांत साहायक प्रबंधक क्षेत्रीय कार्यालय रांची, हरवीर सिंह के द्वारा पीओएसटी ऑफिस साहिबगंज आस्क सेंटर आधार सेंटर का निरीक्षण कर जायजा लिया गया।

जनता की समस्याओं का समाधान के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

संवाददाता

देवघर : जिले की जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीतिलता किस्कू की अध्यक्षता में गुरुवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। साथ ही मौके पर जिलास्तर के सभी अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे, ताकि ऑन द स्पॉट समस्याओं का समाधान संबंधित विभाग द्वारा किया जा सके। इसके अतिरिक्त जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में भू-अर्जन व मुआवजा भुगतान से संबंधित, अनुकम्पा, बिजली बिल माफी, झारखण्ड मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना, फसल बीमा योजना, भू-राजस्व, पेंशन, आवास से जुड़े मामलों को अपर समाहर्ता के समक्ष रखा। साथ ही जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीतीलता द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा।इसके अलावे जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीतीलता ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें, ताकि शिकायतों के निष्पादन की निगरानी की जा सके।

असहाय मरीज के मदद के लिए राजद जिलाध्यक्ष ने किया पहल

दुमका : पीजेएमसीएच अस्पताल से रेफर के बाद बीमार असहाय व्यक्ति इलाज बंद करने के बाद बेहोशी की हालत में घर भेजे जाने वाले शिकारीपाड़ा प्रखंड के रामगढ़ गाँव निवासी प्रेमलाल राय को गुरुवार को पुनः पीजेएमसीएच में भर्ती कर इलाज प्रारंभ कर दिया गया है। ज्ञात हो कि 47 वर्षीय व्यक्ति सोमवार को अचानक बेहोस हो गए थे, अचेतावस्था में परिजन उसे दुमका में भर्ती कराया। यहाँ इसे पीजेएमसीएच में भर्ती कराया था। जिसका समुचित इलाज किए बिना ही उसे हाइयर सेंटर रेफर कर दिया था। मरीज को परिजन के नाम पर उसकी छोटी बहन प्रमिला देवी और विकलांग बहनोई है। इस गरीब असहाय को बाहर ले जाने वाला कोई नहीं था। इस पर राष्ट्रीय जनता दल जिलाध्यक्ष डॉ. अमरेन्द्र कुमार यादव ने उपायुक्त दुमका और सिविल सर्जन दुमका को इस मरीज के साथ हुए अनहोनी घटना की जानकारी दिए।

बाल विवाह मुक्त भारत सौ दिवसीय अभियान का हुआ शुभारंभ

संवाददाता

साहिबगंज : जिला मुख्यालय स्थित पंचायत राज कार्यालय के सभागार में जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन तत्वाधान में संस्था के बैनर तले बाल विवाह मुक्त भारत सौ दिवसीय अभियान का सुबह आरभं किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकारण विश्वनाथ भगत के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम की सुरुआत दीपप्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम को संचालित कर सचिव महोदय ने बताया कि साहिबगंज जिले को बाल विवाह मुक्त के उद्देश्य से भारत सरकार की 100 दिन की विशेष कार्ययोजना से बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ कंधे से कंधा मिला कर काम करेगा। ह्य100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियानꠁ जिसे बाल विवाह मुक्त भारत के एक वर्ष पूरे होने के मौके पर पूरे देश में शुरू किया गया है, एक लक्षित रणनीति तय की है। इसमें स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों, उन धार्मिक स्थलों जहां विवाह संपन्न कराए जाते हैं, विवाह में सेवाएं देने वाले पेशेवर सेवा प्रदाताओं, और आखिर में पंचायतों व नगरपालिका वार्डों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि बच्चों के खिलाफ इस सदियों पुराने अपराध का अंत सुनिश्चित किया जा सके। कार्यक्रम के अंत में बाल विवाह के खिलाफ शपथ ग्रहण किया गया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से बाल मित्र थाना प्रभारी, गैर संस्थागत देखरेख पदाधिकारी,चाइल्ड हेल्पलाइन के जिला समन्वयक एवं सभी कर्मी मौजूद रहे, झारखंड विकास परिषद के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर, मंथन संस्था की टीम एवं आशा स्किम की टीम, पीएलवी आदि मौजूद रहे।

मशरूम की खेती कर महिला आत्मनिर्भर भी बन सकती है : रीना

संवाददाता

साहिबगंज/मंडरो : प्रखंड में कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण आत्मा साहिबगंज में कार्यकारी एजेंसी ग्रेनरी रांची द्वारा सदर प्रखंड के कृषक पाठशाला का आयोजन हाजीपुर राज गांव में आयोजित किया गया। कृषक प्रशिक्षण प्रोजेक्ट मैनेजर सुनील कुमार के द्वारा कृषि से रुचि रखने वाले दर्जनों महिला को उन्नत किस्म से खेती करने के बारे में विस्तार पूर्वक बताया और साथ ही साथ सरकार द्वारा कृषकों को मिल रहे योजना के बारे में भी विस्तार से बताया। वहीं प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लोगों को मशरूम उत्पादन के बारे में भी बताया गया। प्रशिक्षक ने प्रशिक्षकों को बताया कि मशरूम की खेती कम जगह में लागत पर किया जा सकता है। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता राजेश राम के द्वारा प्रशिक्षुओं को उत्प्रेरित किया गया और बताया कि मशरूम की खेती कर महिला आत्मनिर्भर भी बन सकती है। कृषक पाठशाला राज गांव के प्रोजेक्ट मैनेजर सुमित कुमार ने बताया कि यह प्रशिक्षण तीन दिनों तक चलेगा ताकि कृषि में रुचि रखने वाले सभी किसान भाइयों को आत्मनिर्भर बनने में सहयोग मिलेगा। मौके पर रीना कुमारी, मीनू देवी, मीरा देवी, शोभा देवी,अंबिका गोस्वामी सहित दर्जनों की संख्या में अन्य महिला व पुरुष मौजूद थे।

वाहन चलाने समय मोबाइल का उपयोग नहीं करने की अपील

संवाददाता

साहिबगंज : सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने एवं यातायात नियमों के अनुपालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से मुफ्फसिल थाना के समीप जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में सघन वाहन जांच एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की गहन जांच की गई। विशेष रूप से बिना हेलमेट, लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन और बीमा के वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए वाहनों से जुमार्ना वसूला गया।जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा मौके पर उपस्थित वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा से संबंधित दिशा-निर्देश दिए गए व ओवर स्पीडिंग, शराब पीकर वाहन चलाने मोबाइल का उपयोग करते हुए ड्राइविंग जैसी खतरनाक प्रवृत्तियों से बचने की अपील की गई। साथ ही सभी चालकों से यह अपेक्षा की गई कि वे स्वयं सुरक्षित रहें और दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें। अभियान में जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, आरईए अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस, तथा मुफ्फसिल थाना प्रभारी अनीश पांडे अपने पुलिस बल के साथ उपस्थित रहे। यह जांच अभियान सड़क सुरक्षा के प्रति नागरिकों में जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना जगाने की दिशा में एक सार्थक कदम साबित हुआ।

सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय में परीक्षा बोर्ड की हुई बैठक

संवाददाता

दुमका : सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय में परीक्षा बोर्ड की एक महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को कुलपति प्रो. कुनुल कांडिर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक की शुरूआत परीक्षा नियंत्रक डॉ. रीना नीलिमा लकड़ा के स्वागत वक्तव्य के साथ हुई। बैठक में विभिन्न परीक्षाओं के जारी परिणामों के अनुमोदन, शोधार्थियों के घोषित परिणामों की पुष्टि तथा छात्रों की परीक्षा एवं मूल्यांकन संबंधी समस्याओं पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए गए।

बैठक में यूजी सत्र में हो रही देरी पर सभी सदस्यों ने गंभीर चिंता व्यक्त की। कुलपति ने कहा कि मामला अत्यंत गंभीर है और इस पर शीघ्र प्रभावी कदम उठाए जाने आवश्यक हैं। उन्होंने परीक्षा नियंत्रक को इस दिशा में ठोस पहल करने का निर्देश दिया।

परीक्षा नियंत्रक ने जानकारी दी कि आगामी यूजी सेमेस्टर-3 परीक्षा में सभी 'कमान पेपर' की परीक्षा ऑब्जेक्टिव मोड में ओएमआर शीट पर ली जाएगी, जिसके लिए परीक्षा विभाग तैयारियों में जुट गया है।

बैठक में कॉलेजों द्वारा समय पर आंतरिक परीक्षा के अंक न भेजे जाने पर भी सवाल उठे। इस पर निर्णय लिया गया कि यदि प्राचार्य समय पर अंक प्रेषित नहीं करते हैं, तो संबंधित विषय शिक्षक और प्राचार्य दोनों पर आवश्यक कार्रवाई की जा सकती है।

बैठक में डीएसडब्ल्यू डॉ. जैनेन्द्र यादव, मानविकी संकायाध्यक्ष डॉ. पी.पी. सिंह, सामाजिक विज्ञान डीन डॉ. टी.पी. सिंह, विज्ञान संकाय के डीन डॉ. संजय कुमार सिंह सहित आमंत्रित सदस्य–वित्त सलाहकार बृज नंदन ठाकुर, रजिस्ट्रार डॉ. राजीव रंजन शर्मा, वित्त पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार सिंह, सीसीडीडीसी अब्दुस सत्तार, ओएसडी (अकादमिक) अमिता कुमारी, ओएसडी (परीक्षा) डॉ. इंद्रनील मंडल तथा पीआरओ दीपक कुमार दास उपस्थित थे।

बॉलीवुड की इन पांच अभिनेत्रियों ने कम उम्र में किया डेब्यू

रेजिडेंट गहरी, गंभीर और सोचने पर मजबूर करने वाली फिल्म

अभिनेता अक्षय ओबेरॉय बॉलीवुड में अपने चुनौतीपूर्ण किरदारों के लिए जाने जाते हैं। इन दिनों वह अपनी अगली फिल्म 'रेजिडेंट' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जो मानवीय मानसिकता के गहरे और जटिल पहलुओं को दिखाने वाली है।

अक्षय ने कहा कि उन्हें हमेशा से ऐसी फिल्में पसंद हैं, जो उन्हें भावनात्मक रूप से चुनौती दें और उनके अभिनय में गहराई लाएं। एक इंटरव्यू में अक्षय ने बताया कि 'रेजिडेंट' में उन्होंने अपने किरदार को पूरी तरह जिया है। उन्होंने कहा, 'यह फिल्म मुझे सिर्फ डर या सस्पेंस दिखाने तक सीमित नहीं रखती, बल्कि यह किरदारों के मनोवैज्ञानिक पहलुओं और संघर्षों को उजागर करती है। मैं हमेशा ऐसी कहानियों की तरफ आकर्षित रहा हूं जो मुझे चुनौती दें। ऐसे किरदार जिनमें भावनाओं की गहराई, अनपेक्षित घटनाएं और थोड़ा जोखिम हो, मुझे बेहद पसंद हैं। 'रेजिडेंट' बिल्कुल ऐसी ही फिल्म है।' अक्षय ने कहा कि उनकी पिछली फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में रोमांस और कॉमेडी का मिश्रण था। वहीं, 'रेजिडेंट' गहरी, गंभीर और सोचने पर मजबूर करने वाली फिल्म है। यह फिल्म दर्शकों को सच का सामना करने पर मजबूर करती है, जिन्हें वे आमतौर पर नजरअंदाज कर देते हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। 'रेजिडेंट' को आकाश गोइला ने निर्देशित किया है और इसे फिल्मेरा प्रोडक्शन कंपनी प्रस्तुत कर रही है।
अक्षय ओबेरॉय को बॉलीवुड फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में देखा गया था, जिसे शशांक खेतान ने निर्देशित और धर्मा प्रोडक्शंस ने निर्मित किया था। फिल्म में वरुण धवन, जान्हवी कपूर, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ जैसे बड़े कलाकार शामिल थे। कहानी दिल्ली के दो पूर्व प्रेमियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने पुराने प्यार को फिर से जगाने की कोशिश करते हैं। प्राजक्ता कोली ने भी फिल्म में कैमियो किया था। फिल्म 2 अक्टूबर 2025 को दशहरा के मौके पर रिलीज हुई थी।

बॉलीवुड में हमेशा से नए चेहरे लॉन्च होते रहे हैं। इनमें से कई एक्ट्रेस रातोंरात प्रसिद्ध हो जाती हैं। कई बार तो ये अभिनेत्रियां बहुत कम उम्र में ही अपनी पहचान बना लेती हैं। ऐसी ही पांच युवा अभिनेत्रियों के बारे में बात करेंगे, जिन्होंने कम उम्र में बॉलीवुड में डेब्यू किया। इनमें से कुछ ने अभी-अभी शुरुआत की है, जबकि कुछ ने अपनी पहली फिल्मों से ही सबका ध्यान खींच लिया।

अनीत पड्डा

अनीत पड्डा एक उभरती हुई अभिनेत्री हैं, जो पंजाब के अमृतसर में 14 अक्टूबर 2002 को एक साधारण सिख परिवार में पैदा हुईं। वे बहुत कम उम्र से ही मॉडलिंग और विज्ञापनों में काम करने लगीं। अनीत ने कई टीवी ऐड्स में काम किया है। अनीत ने बॉलीवुड में अपना डेब्यू 2022 में फिल्म सलाम वेंकी से किया, जब उनकी उम्र मात्र 20 साल थी। इसके बाद 2024 में अनीत अमेजन प्राइम वीडियो की वेब सीरीज बिग गर्ल्स डोंट क्राई में लीड रोल में नजर आईं। 2025 में अनीत को असली ब्रेक मिला फिल्म सैयारा से, जो मोहित सूरी द्वारा निर्देशित है। इसमें उन्होंने आहान पांडे के साथ लीड रोल निभाया। इस फिल्म ने अनीत को रातोंरात स्टार बनाया दिया।

शनाया कपूर

शनाया कपूर बॉलीवुड एक्टर संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी हैं। शनाया का जन्म 3 नवंबर 2000 को मुंबई में हुआ। 2019 में जब वे 19 साल की थीं, उन्होंने गुंजन सक्सेना – द कारगिल गर्ल फिल्म में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया। लेकिन एक्टिंग डेब्यू की बात करें तो 2025 में फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से हुआ, जब उनकी उम्र 24 साल थी। यह विक्रांत मैसी के साथ एक रोमांटिक ड्रामा है। इस फिल्म में शनाया की परफॉर्मेंस को सराहा गया।

सई मांजरेकर

सई मांजरेकर बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता-निर्देशक महेश मांजरेकर और अभिनेत्री मेधा मांजरेकर की बेटी हैं। वे 24 दिसंबर 2001 को मुंबई में पैदा हुईं। सई ने बहुत कम उम्र में ही एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। 2012 में, जब वे सिर्फ 11 साल की थीं, उन्होंने मराठी फिल्म काकस्पर्श में एक छोटा रोल किया, जो उनका पहला डेब्यू था। लेकिन बॉलीवुड में उनका असली डेब्यू 2019 में फिल्म दबंग 3 से हुआ, जब उनकी उम्र 18 साल थी। इस फिल्म में उन्होंने सलमान खान के साथ खुशी चौटाला का रोल निभाया। सई अब 23 साल की हैं और हिंदी-तेलुगु दोनों इंडस्ट्री में काम कर रही हैं।

नितांशी गोयल

नितांशी गोयल एक बाल कलाकार से शुरू करके लीड एक्ट्रेस बनीं। वे 12 जून 2007 को उत्तर प्रदेश के नोएडा में पैदा हुईं। उनके पिता नितिन गोयल एक बिजनेसमैन हैं और मां राशि गोयल उनके करियर को सपोर्ट करती हैं। नितांशी ने 2016 में फिल्म मन में विश्वास है से अपना फिल्म डेब्यू किया, जब वे मात्र 9 साल की थीं। इसके अलावा टीवी शोज जैसे थपकी प्यार की, नागार्जुन – एक योद्धा और इनसाइड एज में काम किया। लेकिन बॉलीवुड में बड़ा ब्रेक उन्हें 2024 में आई फिल्म लापता लेडीज से मिला, जो आमिर खान की प्रोडक्शन है। इस कॉमेडी-ड्रामा में उन्होंने फूल कुमारी का लीड रोल निभाया, जब उनकी उम्र 17 साल थी।

राशा थडानी

राशा थडानी सुपरस्टार रवीना टंडन और फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर अनिल थडानी की बेटी हैं। वे 16 मार्च 2005 को मुंबई में पैदा हुईं। स्टार किड होने के बावजूद, उन्होंने कम उम्र में ही डेब्यू की प्लानिंग की। 2025 में फिल्म आजाद से बॉलीवुड डेब्यू किया, जब उनकी उम्र 20 साल थी। अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित इसमें अमन देवगन (अजय देवगन के भतीजे) के साथ लीड रोल है। फिल्म में दीया पेंटी और अजय देवगन भी हैं।

दीपिका के बाद अब कुब्रा सैत ने संभाली नारीवाद की कमान

अपने बेबाक विचारों और निडर आवाज़ के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री कुब्रा सैत हाल ही में 'लव लिंगो' सीज़न 2 के पहले एपिसोड में मुख्य अतिथि बनीं नज़र आईं, जहाँ उन्होंने महिलाओं की पहचान, आत्म-स्वीकार और समाज के तयशुदा लेबल्स से परे जीने के मायनों पर खुलकर बात की। गौरतलब है कि जस सगू और अर्सला कुरैशी द्वारा होस्ट किया गया यह नया सीज़न प्रेम, भाषा और संस्कृति के गहरे रिश्ते को आगे बढ़ाता है, और अब कुब्रा की ईमानदार बातचीत ने शो के टोन को एक मजबूत दिशा दी है। कुब्रा कहती हैं, 'अच्छी लड़कियाँ लड़कों से बात नहीं करतीं, अच्छी लड़कियाँ लिपस्टिक नहीं लगातीं, अच्छी लड़कियाँ बस सुनती हैं, बचपन में मैंने कहीं यह पंक्तियां पढ़ी थी। लेकिन अब मेरी ज़िंदगी में इनमें से कुछ भी नहीं है। मैं किसी तय कैलेंडर या नियमों के हिसाब से नहीं जीती और न जी सकती हूँ। कब शादी करनी है या कब खुश रहना है, ये मैं तय करूँगी। मैंने 30 साल की उम्र में तैरना सीखा, खुले समुद्र में गोता लगाया और मेरे लिए यही असली आज़ादी का एहसास है।' पिछले सीज़न में दीपिका पादुकोण के प्रभावशाली विचारों की तरह, कुब्रा भी इस बार जेंडर आधारित उम्मीदों पर बातचीत को आगे बढ़ाती नजर आई हैं और महिलाओं को अपने जीवन के मायने खुद तय करने का आमंत्रण देती हैं। बातचीत के दौरान अर्सला कुरैशी ने कुब्रा के चर्चित सीरीज़ सैक्रेड गेम्स से उनके चर्चित किरदार कुकू को याद किया, जिसने पर्दे पर एक जेंडर विशेष का प्रतिनिधित्व किया था। अर्सला ने कहा, 'कोई मुंबई इस सोच के साथ नहीं आता कि मैं ट्रांसजेंडर का किरदार निभाकर मशहूर हो जाऊँगी, लेकिन आपने वो किया और ट्रांसजेंडर समुदाय को यह यकीन दिलाया कि वे जैसे हैं, वैसे ही रहकर भी दुनिया का प्यार पा सकते हैं।' इस पर कुब्रा ने जवाब दिया, 'मेरा मानना है कि अनुराग कश्यप जी ने इसे बहुत खूबसूरती से लिखा था। कुछ भी अकेले में नहीं बनता, सब कुछ सहयोग से बनता है। मैं बस सही वक्त पर सही जगह पर थी, और इतना किया कि 'ना' नहीं कहा।' अनुराग कश्यप और नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी के साथ अपने अनुभव को याद करते हुए उन्होंने कहा, 'ज़रा सोचिए, जब रेसिपी में अनुराग कश्यप और नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी हों, तो मैंने क्रिएटिविटी पर भरोसा किया और बिना सोचे हाँ कह दिया।' 'सैक्रेड गेम्स' से लेकर 'लव लिंगो' तक, कुब्रा सैत अपनी परफॉर्मेंस के साथ-साथ आज़ादी और आत्म-पहचान की विकसित होती समझ से भी प्रेरणा देती रही हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो कुब्रा सैत जल्द ही वरुण धवन और मृणाल ठाकुर के साथ फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में नज़र आनेवाली हैं।

गाबा टेस्ट से पहले कमिंस की लंबी गेंदबाजी स्पेल के साथ वापसी के संकेत

एजेंसी

सिडनी : ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस बैक इंजरी से उबरकर एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट में वापसी के मजबूत दावेदार बन गए हैं। गाबा में होने वाले डे-नाइट टेस्ट से छह दिन पहले कमिंस ने एससीजी नेट्स पर पिंक बॉल से एक घंटे से अधिक गेंदबाजी की। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की जीत के दौरान कमिंस उपलब्ध नहीं थे, लेकिन शुक्रवार सुबह उन्होंने स्टीव स्मिथ को पिंक बॉल से लय में गेंदें डालकर अपनी फिटनेस को साबित किया। इसी बीच जोश हेजलवुड भी हैमस्ट्रिंग इंजरी से उबरने की कोशिश में नेट्स में उतरे। उन्होंने करीब 45 मिनट तक छोटे रन-अप से गेंदबाजी की और अपनी रिकवरी को ट्रैक पर बताया। दूसरे टेस्ट के लिए अभी

ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित नहीं

गाबा टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई चयनकताओं ने अभी टीम की घोषणा नहीं की है। लेकिन कमिंस की वापसी मेजबानों के लिए बड़ा बूस्ट मानी जा रही है, जिन्होंने पर्थ में श्रृंखला का पहला मुकाबला आठ विकेट से जीतकर 1-0 की बढ़त हासिल की थी। 32 वर्षीय कमिंस ने जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ क्लीन स्वीप के बाद से कोई मैच नहीं खेला है, जब उनकी पीठ में पहली बार दर्द महसूस हुआ था। हालांकि, शुरूआती अनुमान के मुताबिक अगले गुरुवार के टेस्ट को उनकी संभावित वापसी तारीख माना गया था और अब संकेत सकारात्मक हैं। कमिंस मंगलवार को पिंक बॉल से अभ्यास करने के बाद शुक्रवार को फिर नेट्स में उतरे और पूरी रफ्तार से गेंदबाजी करते दिखे। वह मिचेल स्टार्क और नाथन लायन के साथ नेट साझा कर रहे थे और उनकी बॉडी लैंग्वेज में किसी तरह की असहजता नजर नहीं आई।

डब्ल्यूपीएल 2026 नीलामी में सब कुछ योजना के मुताबिक हुआ : दिल्ली कैपिटल्स

एजेंसी

नई दिल्ली : जेएसडब्ल्यू और जीएमआर के सह-मालिकाना हक वाली दिल्ली कैपिटल्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 नीलामी में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक संतुलित और दमदार टीम का गठन किया। फ्रैंचाइजी ने अपनी रणनीतिक तैयारी और सटीक योजनाओं के चलते कई अहम खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल किया।

भारतीय कोर और मजबूत हुआ

शैफाली वर्मा और जेमिमा रॉड्रिग्स को रिटेन करने के बाद दिल्ली कैपिटल्स ने भारतीय कोर को और मजबूत किया। टीम ने एन. श्री चरणी और स्नेह राणा को खरीदकर भारत की हालिया वर्ल्ड कप विजेता टीम के चार खिलाड़ी

अपने स्क्वॉड में शामिल किए। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वूल्वार्ट को फ्रैंचाइजी ने 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा। वूल्वार्ट हालिया वनडे वर्ल्ड कप में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं-9 मैचों में 571 रन।

चिनेल हेनरी और श्री चरणी पर बड़ी बोली

वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर चिनेल हेनरी को 1.3 करोड़ रुपये में टीम ने अपने साथ जोड़ा। हेनरी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, फिनिशिंग क्षमता और संयुक्त सबसे तेज अर्धशतक के कारण एक खतरनाक खिलाड़ी मानी जाती हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले सीजन में डेब्यू करने वाली एन. श्री चरणी को जोरदार बोली के बाद 1.3 करोड़ रुपये में फिर से हासिल किया। वह वर्ल्ड कप में भारत की सबसे सफल गेंदबाजों में शामिल रहीं, जिन्होंने 14 विकेट लिए। स्नेह राणा को 50 लाख रुपये में शामिल किया गया। उन्होंने भारत की विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण ऑलराउंड प्रदर्शन दिया था।

अनुभव और युवा प्रतिभा का संतुलन

टीम ने पूर्व दक्षिण अफ्रीकी ओपनर लिजेल ली को 30 लाख में खरीदा। हरियाणा की 16 वर्षीय युवा प्रतिभा दिया यादव को उनके बेस प्राइस 10 लाख रुपये में टीम में शामिल किया गया। इसके अलावा, तानिया भाटिया (30 लाख) और मिन्नू मणि (40 लाख) को भी दुबारा खरीदा गया। दोनों खिलाड़ी टीम के पहले सीजन से ही इसका हिस्सा रही हैं। फ्रैंचाइजी ने युवा खिलाड़ियों ममता मडिवाला (10 लाख), नंदनी शर्मा (20 लाख) और लूसी हैमिल्टन (10 लाख) को भी टीम में जोड़ा।

कोच जोनाथन बैटी ने कहा,

हम जो करना चाहते थे, उसे हमने बखूबी हासिल किया है। पांच मजबूत रिटेन के बाद हमने टीम को उसी आधार पर बनाया। हमारा शुरूआती क बेहद मजबूत दिख रहा है। खासकर भारतीय स्पिनर्स को टीम में शामिल कर पाना हमारे लिए बड़ा सकारात्मक कदम है,ह्व बैटी ने कहा। उन्होंने आगे कहा, ह्लमेग को गंवाना मुश्किल निर्णय था। हमने नीलामी में उन्हें वापस लेने की पूरी कोशिश की, लेकिन हमारे पास कई मजबूत नेतृत्व विकल्प मौजूद हैं।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह आज रायपुर में देशभर के शीर्ष पुलिस अधिकारियों के सम्मेलन का करेंगे उद्घाटन

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ के रायपुर में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) में होने वाले पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी), महानिरीक्षकों (आईजीपी) के 60वें अखिल भारतीय सम्मेलन में शामिल होने के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह गुरुवार देररात रायपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उनका स्वागत किया। यह सम्मेलन 28 से 30 नवंबर तक चलेगा। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी मौजूद रहेंगे। देशभर से करीब 600 अधिकारी और वीआईपी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। अमित शाह सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रोटोकॉल में बदलाव के कारण शाह शुक्रवार सुबह आने के बजाय गुरुवार रात ही विशेष विमान से रायपुर पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी आज रात रायपुर पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री को नए स्पीकर हाउस एम-1 में और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को वित्त मंत्री आवास एम-11 में ठहराया जाएगा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी आज रायपुर पहुंचेंगे। उल्लेखनीय है कि' विकसित भारत : सुरक्षा आयाम' विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में वामपंथी उग्रवाद, आतंकवाद निरोध, आपदा प्रबंधन, महिला सुरक्षा और पुलिस व्यवस्था में फोरेंसिक विज्ञान एवं एआई के उपयोग जैसे प्रमुख सुरक्षा मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी। प्रधानमंत्री विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक भी प्रदान करेंगे। यह सम्मेलन देश भर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और सुरक्षा प्रशासकों को राष्ट्रीय सुरक्षा के विविध मुद्दों पर खुले और सार्थक विचार-विमर्श के लिए एक महत्वपूर्ण संवादात्मक मंच प्रदान करता है। यह पुलिस बलों के सामने आने वाली परिचालन, अवसंरचनात्मक और कल्याण संबंधी चुनौतियों पर चर्चा के साथ-साथ अपराध से निपटने, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आंतरिक सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए पेशेवर प्रथाओं के निर्माण और साझाकरण को भी सुगम बनाता है।

बंगाल सरकार ने किया 14 आईपीएस अधिकारियों का तबादला, कई जिलों में बड़े पैमाने पर बदलाव

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल सरकार ने गुरुवार को पुलिस प्रशासन में बड़े पैमाने पर फेरबदल करते हुए कुल 14 आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया। गृह विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक, यह बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू होंगे और अधिकारी नई जगहों पर अपना कार्यभार संभालेंगे। निर्देश के अनुसार, अरिजीत सिन्हा को एसपी झारग्राम से हटाकर मिदनापुर रेंज के डीआईजी के पद पर नियुक्त किया गया है। वैभव तिवारी को एसपी बांकुड़ा से एसपी पुरुलिया भेजा गया है, जबकि अभिजीत बनर्जी को एसपी पुरुलिया से एसपी मालदा बनाया गया है। इसी तरह प्रदीप कुमार यादव को एसपी मालदा से हटाकर उत्तर दिनाजपुर में ट्रैफिक एसपी की जिम्मेदारी दी गई है। वाई. राघुवंशी को एसपी अलीपुरदुआर से एसपी जलपाईगुड़ी स्थानांतरित किया गया है। आईपीएस सचिन को एसएस, आईबी, डब्ल्यूबी से डीसी न्यू टाउन, बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट में पदस्थ किया गया है। धृतिमान सरकार को एसपी पश्चिम मेदिनीपुर से एसएस, आईबी, डब्ल्यूबी भेजा गया है। खांदबहाले उमेश गणपत को एसपी जलपाईगुड़ी से एसएस अलीपुरदुआर की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं डॉ. सोनावणे कुलदीप सुरेश को वेस्ट जोन, आसनसोल दुर्गापुर से हटाकर एसपी रायगंज पुलिस जिला बनाया गया है। सोम्यदीप भट्टाचार्य को एसपी पूर्व मेदिनीपुर से हटाकर एसपी बांकुड़ा भेजा गया है। मानव सिंगला को डीसी न्यू टाउन बिधाननगर पीसी से एसपी झारग्राम बनाया गया है। पलाश चंद्र ढाली को एसपी बारुईपुर से एसपी पश्चिम मेदिनीपुर भेजा गया है।

पेंशनर्स के पक्ष में उतरी भाजपा, तपोवन में भाजपा विधायकों का सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

एजेंसी

धर्मशाला : प्रदेश के पेंशनर्स जहां अपनी मांगों की लड़ाई लड़ रहे हैं वहीं अब विपक्ष भी उनके साथ हो गया है। भाजपा विधायक दल ने इसी कड़ी में तपोवन विधानसभा परिसर में शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन शुक्रवार को सत्र शुरू होने से पूर्व कर्मचारियों और पेंशनर्स के मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा विधायक पेंशनरों की मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए विधानसभा भवन के बाहर कुछ देर के लिए धरने पर बैठ गए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। नेता विपक्ष जय राम ठाकुर के नेतृत्व में शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे सभी भाजपा विधायकों की विपक्ष लॉन्ज में बैठक हुई जिसमें रणनीति बनाने के बाद सभी विधायक हाथों में बैनर लेकर सुक्खू सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विधानसभा भवन के बाहर धरने पर बैठ गए। इस दौरान सुक्खू सरकार को कर्मचारी और पेंशनर्स विरोधी बताते हुए जमकर नारेबाजी की। नेता विपक्ष जय राम ठाकुर ने कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार पूर्व कर्मचारियों का शोषण कर रही है। उन्होंने कहा कि पेंशनर्स को समय पर पेंशन नही मिल रही है। उनके मेडिकल बिलों का भुगतान लंबे समय से नही हो रहा है जिससे बुजुर्ग अवस्था मे पंहुच चुके इन पेंशनर्स को कई तरह की तकलीफों से गुजरना पड़ रहा है। आलम यह है कि उम्र के इस पड़ाव में भी उन्हें अपने हकों की लड़ाई लड़ने के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह सरकार पूरी तरह से कर्मचारी विरोधी सरकार है। भाजपा पेंशनर्स के साथ खड़ी है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि पेंशनर्स की सभी मांगों को जल्द निपटाया जाए अन्यथा भाजपा भी उनके साथ आंदोलन के लिए तैयार है। इस मौके पर सभी भाजपा विधायकों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदेश के कई जिलों में मौसम पलटा, बारिश से सर्दी का अहसास बढ़ा

एजेंसी

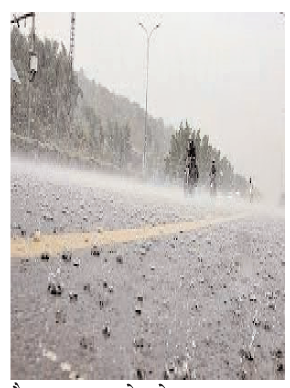

जयपुर : प्रदेश के कुछ जिलों में पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम बदला गया। गुरुवार को कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई, जबकि मौसम विभाग ने शुक्रवार को भी कई जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। जयपुर सहित अजमेर, ब्यावर, डीडवाना और सीकर जिलों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज हुई। इसके अलावा जालौर, सिरोही, राजसमंद, पाली, सिरोही के पिंडवाड़ा, मकराना, परबतसर और पाली के तखतगढ़ क्षेत्रों में भी वर्षा हुई। जयपुर में शुक्रवार सुबह से ही बादल छाए रहे और कई इलाकों में रुक-रुक कर बारिश होती रही। कई क्षेत्रों में बूंदाबांदी जारी रही। तेज सर्द हवा के चलते ठंड का अहसास भी बढ़ने लगा है। आसमान में बादल छाए रहे और सुबह ग्यारह बजे तक सूरज के दर्शन नहीं हुए। मौसम विभाग के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। शुकवार को जोधपुर, उदयपुर और अजमेर संभाग के हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश, बूंदाबांदी की संभावना है। शनिवार को अजमेर, जयपुर और उदयपुर संभागों में हल्की बारिश होने की संभावना बनी रहेगी। 29 और 30 नवंबर को दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में मध्यम से घना कोहरा छाने की आशंका है।विभाग ने अजमेर, नागौर, जयपुर और टोंक जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। अलर्ट के अनुसार, कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश व मेघगर्जन की संभावना बनी हुई है।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 200 अंक उछला

नई दिल्ली : शेयर बाजार हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को हरे निशान पर खुला। बाजार कल रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद सावधानी से आगे बढ़ रहा है। शुरूआती कारोबार में 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 48.19 अंक बढ़कर 85,768.57 अंक पर आ गया। वहीं, 50 शेयरों वाला निफ्टी 12.80 अंक बढ़कर 26,228.35 अंक पर आ गया। फिलहाल बॉम्बे स?टॉक एक?सेंचज (बीएसई) का सेंसेक?स 199.62 अंक यानी 0.23 फीसदी उछलकर 85,920.01 के स?तर पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, नेशनल स?टॉक एक?सेंचज (एनएसई) का निफ्टी 47.55 अंक यानी 0.18 फीसदी की बढ़त के साथ 26,263.10 के स?तर पर कारोबार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 110.88 अंक यानी 0.13 फीसदी उछलकर 85,720.38 अंक के स?तर पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी भी कारोबार के अंत में 10.25 अंक यानी 0.039 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 26,215.55 के स?तर पर बंद हुआ था।

मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिवालय के विभिन्न विभागों का किया निरीक्षण

पटना : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज मुख्य सचिवालय के विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्य सचिव कोषांग, मंत्रिमंडल कक्ष, वित्त मंत्री का कार्यालय, अतिथि कक्ष सहित मुख्य सचिवालय के विभिन्न विभागों की व्यवस्थाओं और कार्य पद्धति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी लोग समय पर कार्यालय आयें और बेहतर ढंग से कार्य का निष्पादन करें। कार्यालय में अनुशासित रहकर पूरी संवेदनशीलता के साथ सभी काम करें ताकि कार्यों को ससमय पूर्ण किया जा सके। उन्होंने कहा कि पूरे परिसर की साफ-सफाई नियमित हो। परिसर सुसज्जित और आकर्षक दिखे। परिसर एवं उद्यान क्षेत्र हरा-भरा रहे इसके लिए जहां जरूरत हो वहां पौधारोपण करायें। आगंतुकों के बैठने और उनकी सुविधाओं का भी ख्याल रखें। मुख्य सचिवालय को और बेहतर एवं व्यवस्थित बनाने की योजना पर काम करें। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, विकास आयुक्त डॉ एस सिद्धार्थ, सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ बी राजेन्दर, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ चन्द्रशेखर सिंह, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

एटा -ट्रक टेंपो भिड़ंत में दो युवकों की दर्दनाक मौत, एक गंभीर घायल

एटा : उत्तर प्रदेश के जनपद एटा में आज शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मृत्यु हो गई जबकि उनका एक साथी गंभीर रूप से घायल है। यह सभी लोग एटा से टेंपो में सवार होकर शादी कार्यक्रम में भाग लेने फरुर्खाबाद जा रहे थे। एटा जनपद के थाना क्षेत्र मलावन अंतर्गत जीटी रोड स्थित आसपुर टोल प्लाजा के निकट सुबह करीब 5 बजे तीन युवक किराए का एक टेंपो करके एटा से शादी समारोह में सम्मिलित होने फरुर्खाबाद जा रहे थे, विपरीत दिशा से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रक ने टेंपो में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी की मौके पर ही दो लोगों की मौत हो गई और एक साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक सहित मौके से फरार हो गया। दुर्घटना की सूचना पर पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर मृतको को पोस्टमार्टम हेतु और घायल को इलाज हेतु मेडिकल कॉलेज एटा भेजा गया टेंपो में सवार मृतकों की पहचान पिंटू आयु 25 वर्ष पुत्र नंदकिशोर और रोहित आयु 27 वर्ष पुत्र अरविंद पाल निवासी कस्बा व थाना मोहम्मदाबाद जनपद फरुर्खाबाद के रूप में हुई है इनका एक अन्य साथी मोहित 27 वर्ष पुत्र सत्येंद्रपाल इस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया, घायल मोहित को उपचार हेतु जिला अस्पताल एटा भर्ती कराया गया।

एसआईआर-2026: डिजिटलाइजेशन के बाद मैपिंग में भी राजस्थान देशभर में अव्वल

- प्रदेश में 78 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग पूर्ण-9,000 से अधिक बूथों पर सौ फीसदी काम पूरा

एजेंसी

जयपुर : मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत प्रदेश में मतदाताओं की मैपिंग में उल्लेखनीय तेजी आई है। गणना प्रपत्रों के डिजिटलाइजेशन के बाद मैपिंग में भी राजस्थान देशभर में अव्वल स?थान पर पहुंच गया है। पिछले नौ दिनों में मैपिंग सत?तर प्रतिशत से बढ़कर 78 प्रतिशत हो चुकी है। इस प्रकार प्रदेश के 78 प्रतिशत मतदाताओं को अब किसी भी प्रकार के दस्तावेज प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं रहेगी। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार प्रदेश भर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)झ2026 का कार्य तेजी और पारदर्शिता के साथ प्रगति पर है। 04 नवम्बर से प्रारंभ हुए इस अभियान के तहत बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का संग्रहण, सत्यापन और डिजिटलीकरण का कार्य निरंतर जारी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा voters.eci.gov.in पोर्टल पर पिछले एसआईआर की मतदाता सूची में अपने नाम से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए नई सर्च सुविधा Search by Elector Details उपलब्ध कराए जाने के बाद प्रदेश में मतदाताओं की मैपिंग में उल्लेखनीय तेजी आई है। उन्होंने बताया कि पिछले नौ दिनों में मैपिंग 70 प्रतिशत से बढ़कर 78 प्रतिशत हो चुकी है। इस प्रकार प्रदेश के 78 प्रतिशत मतदाताओं को अब किसी भी प्रकार के दस्तावेज प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं रहेगी। उन्होंने बताया कि मैपिंग को बढ़ाकर 85 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य है। महाजन ने बताया कि प्रदेश में कुल पांच करोड़ 46 लाख 56 हजार 215 गणना प्रपत्रों में से चार करोड़ अस्सी लाख से अधिक प्रपत्र ईसीआई-नेट पर अपलोड किए जा चुके हैं, जो निर्धारित अवधि से सात दिन पूर्व ही 88 प्रतिशत उपलब्धि है। यह सफलता तकनीकी दक्षता, टीमवर्क और जिला स्तर पर सतत मॉनिटरिंग का परिणाम है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि प्रदेश के नौ हजार से अधिक पोलिंग बूथों पर बीएलओ द्वारा सौ प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है।

रायपुर : छत्तीसगढ़ पवेलियन को मिला 'स्पेशल एप्रिसिएशन मेडल'

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ ने 44वें इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (आईआईटीएफ) 2025 में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। छत्तीसगढ़ के पवेलियन को उत्कृष्ट थीमैटिक प्रस्तुति और डिस्प्ले के लिए प्रतिष्ठित ह्लस्पेशल एप्रिसिएशन मेडलह्व प्रदान किया गया। यह पुरस्कार नई दिल्ली के भारत मंडपम में दिया गया, जहाँ आईआईटीएफ 14 से 27 नवंबर 2025 तक आयोजित हुआ। यह उपलब्धि ऐसे समय मिली है जब छत्तीसगढ़ वर्ष 2025 में अपने गठन के 25 वर्ष पूरे कर रहा है। पवेलियन में छत्तीसगढ़ की यात्रा को बेहद रोचक और अनुभवात्मक तरीके से प्रस्तुत किया गया—जिसमें सांस्कृतिक परंपराएँ, जनजातीय विरासत, आजीविका आधारित पहल, सुशासन, औद्योगिक विकास, पर्यटन और सतत विकास जैसे सभी पहलुओं को प्रदर्शित किया गया।

छत्तीसगढ़ का पवेलियन क्यों रहा खास

पवेलियन ने राज्य की 25 वर्ष की यात्रा, उसकी उपलब्धियों, आगामी लक्ष्य और ह्लनवा छत्तीसगढ़ह्व की अवधारणा को प्रभावशाली तरीके से प्रदर्शित किया। इसमें बस्तर में हो रहे परिवर्तन को भी प्रमुखता से रखा गया—जहाँ हाल के वर्षों में बेहतर सड़क संपर्क, पर्यटन विकास, जनजातीय आजीविका में वृद्धि और शांति आधारित विकास ने नए अवसर खोले हैं।

पारंपरिक कारीगरी, जनजातीय कला, स्थानीय उत्पाद, व्यंजन और पर्यटन ने छत्तीसगढ़ की आत्मा को आधुनिक अंदाज और प्रामाणिकता के साथ पेश किया।पवेलियन में छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति 2024झ30 को प्रमुखता के साथ दशार्या गया, जिसका उद्देश्य बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन और उच्च स्तरीय निवेश आकर्षित करना है।

प्रदर्शनी में दो बड़े आगामी प्रोजेक्ट्स भारत का पहला अक डेटा सेंटर पार्क और छत्तीसगढ़ का पहला सेमीकंडक्टर प्लांट को भी प्रदर्शित किया गया। ये दोनों परियोजनाएँ राज्य के युवाओं के लिए हजारों उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार अवसर तैयार करेंगी और छत्तीसगढ़ को तकनीकी रूप से उन्नत, निवेश-अनुकूल और भविष्य के लिए तैयार राज्य के रूप में वैश्विक मानचित्र पर प्रमुख स्थान देंगी।

मेले के दौरान पवेलियन में उल्लेखनीय संख्या में दर्शक पहुंचे। इंटरैक्टिव डिजिटल डिस्प्ले और जीआई-टैग्ड ढोकरा कला, आकर्षक कोसा सिल्क और अन्य पारंपरिक उत्पादों ने दर्शकों को खूब आकर्षित किया। संस्कृति, कारीगरी और कहानी कहने के प्रभावी मिश्रण ने इसे क्क्ळ्रञ्ज 2025 के सबसे यादगार अनुभवों में शामिल किया।

स्पेशल एप्रिसिएशन मेडलह्वराज्य के बढ़ते आत्मविश्वास, नवाचार-आधारित विकास और मजबूत आर्थिक भविष्य की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर, जिसे हर साल इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गेनाइजेशन (क्ळढड) आयोजित करती है, देश के सबसे बड़े और विविधतम आयोजनों में से एक है। इसमें राज्यों, केंद्रीय मंत्रालयों, पीएसयू, एमएसएमई, शिल्पकारों, स्टार्टअप और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों की भागीदारी रहती है, जिससे भारत मंडपम भारत की संस्कृति, व्यापार, नवाचार और उद्यमिता का जीवंत मंच बन जाता है।सम्मान ने न केवल छत्तीसगढ़ की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत किया है, बल्कि यह भी सिद्ध किया है कि राज्य अपनी सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक विकास मॉडल—दोनों के साथ आगे बढ़ रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

यूपी के मीरजापुर में स्विफ्ट कार कंटेनर से टकराई, चार की मौत

मीरजापुर : उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में कछवां थाना क्षेत्र के कटका गांव के पास प्रयागराजझवाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार सुबह करीब 7:30 बजे हुए सड़क हादसे ने क्षेत्र को दहला दिया। सूचना मिलते ही पुलिस के उच्चाधिकारी और थाना कछवां की टीम मौके पर पहुंची। मौके पर हुई जांच में स्पष्ट हुआ कि प्रयागराज की ओर से आ रही स्विफ्ट कार (वढ 70 इे 4500) ने सड़क किनारे खड़े एक कंटेनर में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। भीषण हादसे में कार सवार श्याम कृष्ण (55) पुत्र बाबूलाल यादव तथा उनके पुत्र अनुराग यादव (30) निवासी कोरांव, जनपद प्रयागराज की मौके पर ही मौत हो गई। इसी दौरान सड़क के किनारे बैठे दो लोग भी हादसे की चपेट में आ गए। इनमें से एक की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई, जबकि दूसरे ने इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। इस तरह दुर्घटना में कुल चार लोगों की मौत हो गई। कछवां पुलिस ने सभी मृतकों के शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। क्षेत्राधिकारी सदर अमर बहादुर ने बताया कि मौके पर कानून-व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

प्लास्टिक प्रदूषण निगरानी और प्रबंधन के लिए जल शक्ति मंत्रालय के राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन ने प्रोफेसर डॉ कृपा राम को सदस्य बनाया

वाराणसी : उत्तर प्रदेश के वाराणसी में प्लास्टिक प्रदूषण निगरानी और प्रबंधन के लिए जल शक्ति मंत्रालय के राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के तहत बीएचयू रसायन विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ कृपा राम को सदस्य के रूप में चुना गया है। एनएमसीजी के निदेशक राहुल द्विवेदी ने इसके लिए निर्देश जारी किया है। इस टीम में भारत में नदियों और जलीय जीवों में माइक्रोप्लास्टिक के क्षेत्र में काम करने वाले प्रमुख शोधकर्ता और शिक्षाविद शामिल हैं। पृथ्वी विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर के प्रोफेसर गुलाम जिलानी विषयगत समूह के संयोजक होंगे। इस टीम के अन्य सदस्यों में आईसीएआर-केंद्रीय अंतर्स्थलीय मत्स्य अनुसंधान संस्थान, कोलकाता के निदेशक डॉ. बी.के. दास, राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, गोवा की डॉ. महुआ साहा, आईआईटी, रुड़की के पृथ्वी विज्ञान विभाग के प्रो. अभयानंद सिंह मौर्य, भारतीय नदी परिषद के रमन कांत, एनएमसीजी की रूबी राजू और एनएमसीजी की डॉ. सहजप्रीत कौर गरेवाल सदस्य सचिव हैं। यह जानकारी बीएचयू जनसंपर्क अधिकारी ने दी। शुक्रवार को उन्होंने बताया कि एनएमसीजी के नदी बेसिन प्रबंधन (आरबीएम) प्रकोष्ठ के अंतर्गत प्लास्टिक प्रदूषण पर विषयगत समूह की टीम गंगा नदी बेसिन में प्लास्टिक प्रदूषण की रोकथाम, निगरानी और प्रबंधन के लिए विज्ञान-आधारित और परिणाम-उन्मुख कार्यों पर विचार करेगी। इसके अलावा, टीम गंगा नदी में प्लास्टिक प्रदूषण के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करेगी, जिसमें निगरानी, हॉटस्पॉट की पहचान, परिवहन मार्ग और साथ ही मंत्रालय को प्लास्टिक प्रदूषण कम करने के संभावित उपाय सुझाना शामिल है। टीम प्लास्टिक प्रदूषण प्रबंधन से संबंधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर), परियोजनाओं और अनुसंधान प्रस्तावों की भी समीक्षा करेगी और नीतिगत ढाँचों, नवीन तकनीकों और समुदाय-आधारित हस्तक्षेपों के लिए एसएमसीजी, यूएलबी और संबंधित मंत्रालयों/हितधारकों के साथ समन्वय करेगी।

गैस पाइप लाइन बिछाने में ठेकेदार की लापरवाही लोगों के लिए बन रही परेशानी का सबब

महोबा : उत्तर प्रदेश के महोबा में नगर की गलियों में बिछाई जा रही गैस पाइप लाइन लोगों के लिए परेशानी का सबब बन रही है। गलियों की खुदाई के बाद पाइप लाइन बिछाने का काम कछुआ गति से होने से बुजुर्गों एवं बच्चों को निकलना दूभर हो रहा है।समस्या से जूझ रहे लोगों ने शुक्रवार को नगर पालिका में शिकायत दर्ज करा समस्या के निस्तारण की गुहार लगाई है। जनपद मुख्यालय के सुभाष नगर में इन दिनों गैस की भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के लिए सड़कों की खुदाई की जा रही है। जहां नगर वासियों ने बताया कि वर्षों इंतजार के बाद सड़क का निर्माण हुआ और अब गैस पाइप लाइन के लिए ठेकेदार के द्वारा सड़क को दोनों ओर गहराई से खोद दिया गया है। जिससे घर से बाहर अपने वाहन तक नहीं निकल पा रहे हैं। जिसको लेकर लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है। सुभाष नगर में जेल के पीछे रहने वाले सुरेश पचौरी, नंदू कुशवाहा, मुकेश उपाध्याय, शिवबालक सेन, राहुल सिंह का कहना है कि पाइप लाइन बिछाने के लिए आधुनिक उपकरण और मशीन होने के बाद भी सड़क की खुदाई की जा रही है। नंदू कुशवाहा की भांजी की शादी दो दिन बाद है, जिसका मंडप मायना का कार्यक्रम होना है। घर में मेहमानों का आना जाना है, ऐसे में घर के सामने गली में गहरी नाली खुदी पड़ी है।लोगों का कहना है कि पूर्व में बिछाई गई पाइप लाइन के बाद सड़कों की अब तक मरम्मत कराने का काम नहीं किया गया। पाइप लाइन बिछाने के नाम पर मनमानी की जा रही है, जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगर पालिका ईओ अवधेश कुमार ने समस्या का निस्तारण कराने का आश्वासन दिया है।

शेरगढ़-बबाईन घाट पर पंटून पुल निर्माण की उठी जोरदार मांग, 20 से अधिक गांवों की आवागमन समस्या बनी चुनौती

औरैया : उत्तर प्रदेश के इटावा औरैया में यमुना नदी पर स्थित शेरगढ़झबबाईन घाट पर पंटून पुल का निर्माण इस वर्ष अब तक शुरू न होने से क्षेत्र के 20 से अधिक गांवों के हजारों लोगों में नाराजगी व्याप्त है। यह पुल औरैया, इटावा, जालौन व भिंड जिलों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है, लेकिन हर वर्ष बरसात में पुल हटने के बाद दीपावली से इसका निर्माण शुरू हो जाता था। इस बार नवंबर खत्म होने को है, फिर भी निर्माण कार्य शुरू न होने से लोगों में गहरा असंतोष है। इटावा जनपद के चकरनगर तहसील के शेरगढ़ गांव निवासी पिंटू सेंगर ने बताया कि पंटून पुल बरसात के समय टूट जाता है, पर हर साल दीपावली के बाद इसका पुनर्निर्माण शुरू हो जाता था। ह्लइस वर्ष अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे लोगों का आना-जाना बेहद प्रभावित हो रहा है। निमरी गांव के शिवमंगल सिंह ने बताया कि पंटून पुल बनने से 15 से 20 गांवों के लोगों को बड़ी राहत मिलती है। ह्लपुल न होने से दैनिक आवागमन से लेकर आपातकालीन परिस्थितियों तक हर काम में लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। औरैया जनपद के बबाईन ग्राम पंचायत की प्रधान अर्चना निषाद ने कहा कि शादियों का सीजन चल रहा है, लेकिन पुल न होने से लोगों को यमुना पार करने के लिए 30 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ रहा है। ह्लजहां पुल हो तो महज 15 मिनट में नदी पार की जा सकती है, वहीं अब कई घंटे बेवजह खर्च हो रहे हैं,ह्व प्रधान ने बताया। कचहरी गांव निवासी रोहित सेंगर ने बताया कि शिक्षा के लिए उन्हें अजीतमल जाना पड़ता है। ह्लपुल न होने से 50झ60 किलोमीटर घूमकर जाना पड़ता है। अगर पुल बन जाए तो आधे घंटे में विद्यालय पहुंच सकते हैं,ह्व उन्होंने कहा। इसी गांव के पूजन सिंह सेंगर ने बताया कि आसपास के लगभग 10 गांवों के छात्र-छात्राओं को अजीतमल में पढ़ाई करनी पड़ती है। ह्लपुल न होने से कई बच्चों को किराए पर रहना पड़ता है। गांव आने-जाने में 50झ55 किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ती है,ह्व उन्होंने कहा।

जेके ग्रुप ऑफ कंपनीज के नवनिर्मित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का हुआ उद्घाटन

- झारखंड व बिहार का पहला निजी क्रिकेट स्टेडियम है
- बैंक ऑफ बडौदा के रीजनल हेड रांची सर्कल प्रबंधक श्री नीलमणि जी ने स्टेडियम का किया उद्घाटन

रांची। जेके ग्रुप ऑफ कंपनीज के द्वारा निर्मित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बन कर तैयार है। यह स्टेडियम झारखण्ड की राजधानी रांची के रातू अगरू में बना है। जेके इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन आज बैंक ऑफ बडौदा के रीजनल हेड रांची सर्कल प्रबंधक श्री नीलमणि जी के द्वारा किया गया। स्टेडियम झारखंड व बिहार का पहला निजी क्रिकेट स्टेडियम होगा जिसका संचालन जेके क्रिकेट अकादमी द्वारा किया जाएगा। यह बता दें की 12 एकड़ से ज्यादा एरिया में फैले जेके क्रिकेट अकादमी पिछले 2017 से क्रिकेट खिलाड़ियों को तैयार कर रहा है। आज के दिन जेके क्रिकेट अकादमी में तैयार किए गए क्रिकेट खिलाड़ी घरेलू व राष्ट्रीय स्तर पर खेल रहे हैं। झारखंड सहित बिहार में कहीं से प्रतिभावान बच्चे हैं जिन्हे आर्थिक संसाधन के अभाव के कारण उचित मार्गदर्शन नहीं मिल रहा है। अब वैसे खिलाड़ियों को इन परेशानियों से जूझना नहीं पड़ेगा। जेके क्रिकेट अकादमी अपने स्थापना काल से कई निर्धन व प्रतिभावान खिलाड़ियों को तैयार किया और उन्हें उचित प्लेटफार्म उपलब्ध कराया है। यह क्रिकेट अकादमी खेत, खलिहान, गांव- देहात के वैसे बच्चों को तलाश कर खिलाड़ी बनने में सक्रिय योगदान कर रहा है। इसी का परिणाम है कि कई बच्चों ने अपना मंजिल पाया।

जेके ग्रुप का कंपनी के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह का एक सपना था कि प्रतिभावान बच्चों को संसाधनों का आभाव उनकी प्रतिभा को ना रोक पाए। अपने पिता जीतेन्द्र सिंह के सपनों को पूरा करने का संकल्प उनके दोनों पुत्र जेशू प्रधान और कृष प्रधान पूरा के रहे हैं । जेशू प्रधान ने बताया कि जेके इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में अंतर्राष्ट्रीय सुविधा उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने बताया कि स्टेडियम में चार फ्लड लाइट लगाए गए हैं जो स्टेडियम में क्रिकेट सीख रहे खिलाड़ियों को नया अनुभव देगा। श्री प्रधान ने बताया कि दिन में खेलना आसान है लेकिन रात में उतना हीं कठिन है। हमारा प्रयास है कि रात में खेल के बच्चे इस परेशानी से उबर सकें। श्री प्रधान ने बताया कि जेके क्रिकेट एकेडमी में भारत के अलावा न्यूजिलैंड, ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों ने प्रैक्टिस किया है। कृष प्रधान ने बताया कि जेके क्रिकेट स्टेडियम पूर्वी जोन का पहला स्टेडियम जहां खिलाड़ियों को खेलने के साथ-साथ उनके पर्सनालिटी डेवलपमेंट को बढ़ावा देता है। हमारा प्रयास है कि बच्चों की पढ़ाई में खेल बाधा न बने और न ही खेल पढ़ाई में बाधा बने।

उद्घाटन मैच...

जेके इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पहले उद्घाटन मैच बैंक ऑफ बडौदा के जिला भर के कर्मी खेलेंगे। इस खास मौके पर जेएससीए के अध्यक्ष अजय नाथ शाह देव भी उपस्थित रहेंगे।

स्टेडियम में यह है सुविधा

1. स्टेडियम में 4 फ्लड लाइट लगे हैं
2. अंतरराष्ट्रीय स्तर का जिम
3. इंडोर क्रिकेट स्टेडियम
4. बॉक्स क्रिकेट की सुविधा
5. बॉक्स फिटनेस सेंटर
6. वत अनुकूलित स्विमिंग पूल
7. 120 बेड का वाता अनुकूलित हॉस्टल
8. कैफेटेरिया
9. पांच समय का हाइजीनिक फूड
10. अंतरराष्ट्रीय स्तर के दो पवेलियन.
11. 10000 दर्शकों को बैठने की सुविधा
12. बृहद पार्किंग सुविधा
13. शादी समारोह के लिए उत्कृष्ट सुविधा
14. खेल के साथ-साथ पढ़ाई की सुविधा
15. अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट कोच
16. अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट सुविधा में

जेशू कृष इंटरनेशनल क्रिकेट एकेडमी का हुआ शानदार उद्घाटन

- इस क्रिकेट ग्राउंड में दिन और रात दोनों समय क्रिकेट मैच खेलने या प्रैक्टिस करने की वर्ल्ड क्लास सुविधा है।

संवाददाता

रांची : शुक्रवार को झारखंड क्रिकेट का सुनहरा व सबसे ऐतिहासिक पल का मै गवाह बना। मौका था जेशू कृष इंटरनेशनल क्रिकेट एकेडमी का उद्घाटन। उल्लेखनीय है कि इस क्रिकेट ग्राउंड में दिन और रात दोनों समय क्रिकेट मैच खेलने या प्रैक्टिस करने की वर्ल्ड क्लास सुविधा है। खिलाड़ियों के लिए फिरोजशाह कोटला और ईडन गार्डन के तर्ज पर समृद्ध जिम , हरे भरे मखमली घास और लंबे चौड़े बाउंड्री वाले ग्राउंड पर खिलाड़ियों को अंतराष्ट्रीय स्टेडियम का अहसास कराती है। वहीं दूसरी ओर अंतराष्ट्रीय स्तर का लाइट रात में खिलाड़ी को अंतराष्ट्रीय स्तर के लिए रात्रि में खेलने के लिए परिपक्व बनाती है। ग्राउंड के दोनों छोर पर उत्कृष्ट मापदंड का एलईडी स्क्रीन इस ग्राउंड पर क्रिकेट के खेल को केवल टेक्नोलॉजी से ही नहीं जोड़ता अपितु खिलाड़ी को पूरे मैच के दौरान खेल से जोड़ कर रखता है। मैदान के चारों ओर लाउडस्पीकर की उत्तम व्यवस्था है और इस ग्राउंड में खिलाड़ी की हर कार्यकलाप को कमेंट्री के माध्यम से सुन और समझ सकते हैं। इस ग्राउंड पर बाउंड्री लाइन की साज सज्जा और फेनसिंग काफी दर्शनीय है। ग्राउंड पर दोनों टीमों के लिए ग्लास हाउस का बेहतरीन पवेलियन बना हुआ है। ज्ञात हो की इस क्रिकेट स्टेडियम में राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी प्रैक्टिस और मैच खेल चुके हैं जिसमें से प्रमुख हैं ईशान किशन, न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज रॉस टेलर, ब्रैंडम मैकुलम , नमन ओझा इत्यादि। इस परिसर में बॉक्स क्रिकेट की वर्ल्ड क्लास सुविधा के साथ साथ राष्ट्रीय स्तर के कोच के देख रेख में खिलाड़ियों को प्रैक्टिस करवाया जाता है। हाई थर्ड अंपायर इस मैदान पर हाय क्वालिटी के कैमरा से खिलाड़ियों को उनके खेल को गलतियों का रिव्यू और खेल की टेक्नीक को सुधारने में मदद करते हैं।यहां के मेस अपने खाने के स्वाद और क्वालिटी के लिए पूरे रांची में विख्यात है। जो सपना धोनी और विराट का है, वही सपना मेरे विद्यालय के चेयरमैन जेके सर का है और अब नई पीढ़ी जेशू सर और कृष सर इस अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी से अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल और वैभव सूर्यवंशी जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को झारखंड और हिंदुस्तान को देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।